दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खाऐंगें, बार-बार आऐंगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 171 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये | मंगलवार 23 सितंबर 2025 | डाक-बुधवार 24 सितंबर 2025 | chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

सेटेलाइट्स की सुरक्षा को भारत भेजेगा 'बॉडीगार्ड', अंतरिक्ष में संदिग्ध गतिविधियों का भी लगाएगा पता

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसी)। निरंतर अपनी सैन्य क्षमताओं में इजाफा करने में लगा भारत अब अंतरिक्ष में भी अपनी सुरक्षा रणनीति को और मजबूत करने जा रहा है। अंतरिक्ष में बढ़ते खतरे और दुश्मन देशों की संदिग्ध सेटेलाइट गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार अपने उपग्रहों की सुरक्षा मजबूत करने जा रही है। मोदी सरकार अब ऐसे खास बॉडीगार्ड सेटेलाइट बनाने की तैयारी कर रही है, जो अंतरिक्ष में भारतीय सेटेलाइट की सुरक्षा करेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत जवाब देंगे। इनका काम होगा भारतीय उपग्रहों को दुश्मन देशों की संभावित चालों और हमलों से बचाना। जैसे एस400 डिफेंस सिस्टम जमीन पर दागी जाने वाली मिसाइलों से रक्षा करता है, वैसे ही ये सेटेलाइट अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों को दुश्मन देशों के हर खतरे से बचाएंगे। सूत्रों के अनुसार, इस तैयारी को तेजी तब

मिली, जब 2024 के बीच एक पड़ोसी देश का सेटेलाइट इसरो के सेटेलाइट के सिर्फ एक किलोमीटर पास से गुजरा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह सेटेलाइट 500-600 किलोमीटर की ऊंचाई पर था और मैपिंग और जमीन की निगरानी जैसे सैन्य काम कर रहा था। हालांकि, दोनों सेटेलाइट्स टक्कर तो नहीं हुई, लेकिन जानकारों के अनुसार यह घटना दूसरे देश की ताकत दिखाने की कोशिश हो सकती है। सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर लिडार सेटेलाइट और ग्राउंड-बेस्ड राडार जैसे सिस्टम पर काम कर रही है, जिससे खतरों को समय रहते पहचान कर सेटेलाइट को सुरक्षित पोजिशन पर भेजा जा सके। सूत्रों के मुताबिक सरकार इस योजना पर 27,000 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है।

चार साल में एआई बेस्ड 52 स्पेशल डिफेंस सेटेलाइट किए जाएंगे लांच- केंद्र की मोदी सरकार ने तय किया है कि 2029 (अगले चार साल में) तक 52 स्पेशल डिफेंस सेटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। ये सभी सेटेलाइट अंतरिक्ष में भारत की आंख बनेंगे और पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर लगातार नजर रखेंगे। सेटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड होंगे। 36 हजार किलोमीटर ऊंचाई पर ये आपस में कम्युनिकेट कर सकेंगे। इससे पृथ्वी तक सिग्नल भेजने, मैसेज-तस्वीरें भेजने में आसानी होगी। यह पूरा अभियान रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के तहत चलाया जा रहा है और इसके लिए सरकार ने स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फेज-3' (एसबीएस-3) योजना बनाई है। इसके लिए 26,968 करोड़ का बजट है। इसे अक्तूबर 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने मंजूरी दी थी। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने जून में सर्विलांस एंड इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इंडिया सेमिनार में चेतावनी दी थी कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तेजी से अंतरिक्ष क्षमता बढ़ा रही है और यह भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

प्रथमेश

पाकिस्तानी सेना का अपने ही नागरिकों पर कहर, आधी रात को लड़ाकू विमानों से बरसाए बम, 30 की मौत

पेशावर ,23 सितंबर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार देर रात एक भयावह घटना में पाकिस्तानी सेना पर अपने ही नागरिकों पर हवाई हमला करने का आरोप लगा है। तिराह घाटी के मत्रे दारा गांव में सोते हुए लोगों पर लड़ाकू विमानों से की गई बमबारी में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।
स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह दिल दहला देने वाली घटना रविवार रात करीब दो बजे हुई, जब गांव के सभी लोग अपने घरों में गहरी नींद में सो रहे थे। तभी अचानक पाकिस्तानी सेना के छ्स्त्र-17 लड़ाकू विमानों ने गांव पर बम बरसाने शुरू कर दिए। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि विमानों से 8 स्र्-6 बम गिराए गए, जिससे पूरा इलाका थर्रा उठा। धमाकों के बाद कई घर ढह गए और सोते हुए लोग मलबे के नीचे जिंदा दफन हो गए। हमले के बाद पूरा गांव चीख-पुकार और मातम में डूब गया। चारों तरफ तबाही का मंजर था और कई घर मलबे के ढेर में तब्दील हो चुके थे। घटना के 10 घंटे बाद, सोमवार दोपहर तक भी स्थानीय लोग और बचाव दल मलबे से शवों को निकालने के काम में जुटे हुए थे। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मलबे में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है, जिसके चलते मृतकों की संख्या और बढ़ने का डर बना हुआ है।

कोलकाता में भारी बारिश का कहर, मेट्रो और रेल सेवाएं ठप, करंट लगने से पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली ,23 सितंबर (एजेंसी)। कोलकाता और आसपास के इलाकों में मंगलवार रात हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। भारी बारिश से शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। लगातार हुई बारिश से कई इलाकों में घरों तक पानी घुस गया और आम गतिविधियां ठप पड़ गईं। शहर की प्रमुख सड़कें जलमग्न होने से यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

कोलकाता मेट्रो रेलवे की ब्लू लाइन पर महानायक उत्तम कुमार और रवींद्र सरोवर स्टेशनों के बीच पानी भर जाने से सेवाएं रोक दी गईं। प्रवक्ता के अनुसार शहीद खुदीराम से मैदान तक मेट्रो नहीं चल रही, जबकि दक्षिणेश्वर से मैदान तक सीमित सेवा जारी है।

पूर्वी रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, सीलदह दक्षिण

खंड में ट्रैक पर पानी भरने से ट्रेनें बंद हैं। सीलदह उत्तर और मुख्य खंडों में नाममात्र सेवाएं चल रही हैं। हावड़ा और कोलकाता टर्मिनल से ट्रेनों पर भी असर पड़ा है। चितपुर यार्ड में जलभराव के चलते सर्कुलर रेलवे लाइन पर परिचालन रुका हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र से दक्षिण बंगाल के कई जिलों में और भारी बारिश हो सकती है। शहर के गारिया कमदहारी में 332 मिमी, जोधपुर पार्क में 285 मिमी और कालीघाट में 280 मिमी बारिश दर्ज की गई।

कोलकाता नगर निगम के अनुसार, टॉप्सिया में 275 मिमी, बल्लीगंज में 264 मिमी और थानटानिया में 195 मिमी बारिश दर्ज हुई। जलभराव से दफ्तर जाने वालों को भारी दिक्कत हुई और कई स्कूलों ने छुट्टी की घोषणा कर दी।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, अब मानहानि को अपराध की श्रेणी से हटाने का आ गया सही समय

नई दिल्ली ,23 सितंबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अब समय आ गया है कि मानहानि को अपराध की श्रेणी से बाहर किया जाए। आज के समय में अभिव्यक्ति की आजादी और मीडिया का रोल अहम है। मानहानि कानून कोसुधारने की ज़रूरत है, ताकि लोगों की बोलने की आजादी बनी रहे। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बैंच पूर्व जेएनयू प्रोफेसर अमिता सिंह की ओर से 2016 में एक मीडिया संस्थान के खिलाफ दाखिल मानहानि मामले की सुनवाई कर रही थी। मीडिया संस्थान की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि प्रोफेसर अमिता सिंह ने एक डॉजियर (दस्तावेज) तैयार किया था, जिसमें जेएनयू

को अश्लील गतिविधियों और आतंकवाद का अड्डा बताया गया। अमिता सिंह का आरोप है कि रिपोर्टर और संपादक ने बिना सत्यता जांचे यह खबर प्रकाशित की, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुंदरेश के आदेश पर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से सहमति जताते हुए कहा कि राहुल गांधी का मामला भी इसी तरह विचाराधीन है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर अमिता सिंह को नोटिस भेजा। बता दें कि 2017 में दिल्ली की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने मीडिया संस्थान के एडिटर और डिप्टी एडिटर को मानहानि मामले में सम्मन भेजा था। 2023 में दिल्ली हाई कोर्ट ने यह सम्मन रद्द कर दिया, लेकिन 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट का फैसला पलटते हुए केस को दोबारा मजिस्ट्रेट कोर्ट में भेज दिया। इसके बाद मई 2025 में हाई कोर्ट ने फिर से सम्मन को सही ठहराया। इसके खिलाफ मीडिया संस्थान और डिप्टी एडिटर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। याचिका में कहा गया कि अब नया कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू है। इसके सेक्शन 223 के अनुसार केस की सुनवाई शुरुआती स्तर पर ही होनी चाहिए।

नवरात्र में कुट्टू का आटा खाने से 200 लोगों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में हुए भर्ती

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में नवरात्रि पर व्रत रखने वाले लोगों के लिए कुट्टू का आटा इस बार मुसीबत बन गया। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों जहांगीरपुरी, महेंद्र पार्क, समयपुर, भलस्वा डेरी, लाल बाग और स्वरूप नगर में लगभग 150 से 200 लोग सोमवार तड़के अचानक बीमार हो गए। सभी मरीजों को उल्टी-दस्त और बेचैनी की शिकायत के बाद नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि सुबह करीब छह बजकर 10 मिनट पर जहांगीरपुरी थाने को सूचना मिली कि बड़ी संख्या में लोग कुट्टू का आटा खाने के बाद अस्वस्थ हो रहे हैं। देखते ही देखते यह खबर फैल गई और स्थानीय लोग उस दुकानदार के पास इकट्ठा हो गए जिससे उन्होंने आटा

खरीदा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला।

भीष्म सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही खाद्य विभाग को सतर्क कर दिया गया है। पुलिस कर्मियों एवं सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से इलाके के लोगों और दुकानदारों को आगाह किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह मामला गंभीर है, लोगों की सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच पूरी होने तक संबंधित दुकानदारों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। बीजेआरएम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशेष यादव ने बताया कि अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में अचानक 150-200 लोग पहुंचे। सभी को उल्टी-दस्त की शिकायत थी लेकिन किसी की हालत गंभीर नहीं थी। उन्होंने कहा, सभी मरीजों को प्राथमिक उपचार और दवाइयां देकर घर भेज दिया गया। यह स्पष्ट रूप से फूड पॉइजनिंग का मामला प्रतीत होता है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आटे के नमूने एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, यह पता लगाया जाएगा कि कहीं आटा एक्सपायरी तो नहीं था या इसमें मिलावट तो नहीं थी। रिपोर्ट आने के बाद जिम्मेदारी तय होगी। घटना के बाद प्रभावित इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल है। लोग कुट्टू का आटा खरीदने से बच रहे हैं और दुकानदार भी ग्राहकों को भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके यहां का सामान सुरक्षित है। वहीं कई परिवारों ने एहतियातन पहले से खरीदा आटा फेंक दिया है।

गौरतलब है कि नवरात्रि के दौरान उपवास रखने वाले लोग बड़े पैमाने पर कुट्टू का आटा, साबूदाना और सिंघाड़ा जैसे अनाज का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में यह घटना न केवल स्वास्थ्य के लिहाज से बल्कि धार्मिक आस्थाओं के बीच भी चिंता का विषय बन गई है।

दुनिया की सबसे ऊंची अल्ट्रा मैराथन! भोपाल के 3 धावकों ने रचा इतिहास, चार हजार मीटर ऊंचाई पर दौड़ बनाया रिकॉर्ड

भोपाल,23 सितंबर (एजेंसी)। मैराथन वैसे ही बहुत कठिन स्पर्धा होती है। उस पर औसतन चार हजार मीटर की ऊंचाई वाले खारदुंग ला दर्रे पर 72 किमी तक दौड़ना स्टेमिना, धैर्य और कौशल की कड़ी परीक्षा है।

भोपाल के तीन लोगों ने इस बार दुनिया की इस सबसे ऊंची अल्ट्रा मैराथन को पूरा करके इतिहास रच दिया है। डाक विभाग में कार्यरत 48 साल के विनोद गोडबोले और आईटी पेशेवर धर्मेंद्र जोगी (35) और आदर्श सक्सेना (30) ने पिछले दिनों यह दौड़ पूरी की। लद्दाख

में आयोजित होने वाली खारदूंगा ला चैलेंज दुनिया की सबसे ऊंची सड़क पर आयोजित होने वाली अल्ट्रा मैराथन है। धावक विनोद गोडबोले ने बताया कि लद्दाख में छठवीं खारदुंग ला चैलेंज का आयोजन 12 सितंबर को हुआ था। इसमें 72 द्ब्रद्व की दौड़ 14 घंटे में की जानी थी। उन्होंने 10 घंटे 29 मिनट में दौड़ पूरी की।

धर्मेंद्र जोगी ने 10 घंटा 10 मिनट और आदर्श सक्सेना ने 10 घंटा 40 मिनट का समय लिया। यह दौड़ खारदुंग गांव से शुरू होकर विश्व के तीसरे सबसे ऊंचे पक्के सड़क मार्ग वाले खारदुंग ला दर्रे से होते हुए लेह शहर के मुख्य बाजार तक पूरी करनी होती है।

दौड़ने से पहले दो मैराथन का अनुभव जरूरी-गोडबोले ने बताया इस स्पर्धा में शामिल होने से पहले प्रतिभागी के पास पांच घंटे से कम समय में दो मैराथन पूरी करने का अनुभव होना जरूरी है। मैंने पहले भी कई मैराथन को पूरा किया है। तैयारी के लिए भोपाल की टेकरी पर एलिवेशन रन का अभ्यास किया था।

हावड़ा-दिल्ली एक्सप्रेस में लगी आग,तो चलती ट्रेन से कूदने लगे यात्री

जामताड़ा, 23 सितम्बर (एजेंसी)। झारखंड के जामताड़ा से सोमवार को एक खौफनाक घटना सामने आई है। जिसमें हावड़ा-नई दिल्ली रेल मार्ग पर

टाटा-18184 सुपरफास्ट ट्रेन की एक बोगी में आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना जामताड़ा जिले के विद्यासागर और कालाझरिया रेलवे स्टेशन के बीच घटी है। ट्रेन की बोगी में आग लगने और धुआं फैलने से इसमें सवार यात्री दहशत से भर गए। जिसके बाद ट्रेन में सवार यात्री घबरा गए और चलती ट्रेन की बोगियों से कूदने लगे। हालांकि उस वक्त ट्रेन की रफ्तार कम होने के चलते कोई हताहत नहीं हुआ। साथ ही लोको पायलट की सूझ-बूझ से बड़ा हादसा होने से भी टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इंजन से जुड़ी तीसरी बोगी से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। लोको पायलट ने सूझबूझ से काम लेते हुए तुरंत ट्रेन रोक दी और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रेलवे कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्रों की मदद से तुरंत आग बुझा दी।

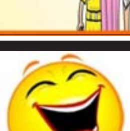

वाह वाह

पप्पू- डॉक्टर साहब मैं रोज आपसे 50 रुपये की दवाई ले रहा हूं,
पर कोई फायदा नहीं हो रहा
डॉक्टर- अब तुम मुझसे 40 रुपये वाली दवाई ले जाओ,
इससे तुम्हें रोज 10 रुपये का फायदा होगा....

जादू-टोने के अंधविश्वास के शक में भतीजे ने हसिया से काटा चाचा का गला, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा,23 सितंबर (एजेंसी)। थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक भतीजे ने जादू-टोना करने की शंका में अपने ही चाचा की धारदार हसिया से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के चंद घंटे बाद ही पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार पाल मोहल्ला पीपल चौक चांपा निवासी राम प्रसाद पाल (67

वर्ष) शिव मंदिर में पूजा-पाठ करता था और अपने घर में अकेले ही रहता था। रिश्ते में उसका भतीजा अजीत कुमार पाल पिता रामेश्वर पाल (63 वर्ष), जो कोटाडबरी स्थित प्रकाश इंडस्ट्रीज परिसर में ढाबा चलाता है, आए दिन रामप्रसाद पर जादू-टोना करने का आरोप लगाता था। आरोपित अजीत कुमार का कहना था कि इसी कारण से उसका ढाबा ठीक से नहीं चलता। इसी बात को लेकर वह रामपाल से अक्सर विवाद करता और जान से मारने की धमकी देता था।

एनकाउंटर में नक्सलियों के दो दादा ढेर, 3 दशकों से एक्टिव थे 80 लाख के इनामी दोनों मास्टरमाइंड

रायपुर, 23 सितम्बर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। नारायणपुर में मुठभेड़ में 40-40 लाख के इनामी दो नक्सली, राजू दादा और कोसा दादा मारे गए। यह मुठभेड़ अबूझमाड़ के जंगलों में हुई। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों से हथियार और अन्य सामग्री भी बरामद की है। इससे पहले बीजापुर, गढ़चिरौली और गरियाबंद में भी मुठभेड़ों में कई नक्सली मारे गए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य रखा है। नारायणपुर पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन ने बताया कि 22 सितंबर की सुबह नक्सल मूवमेंट की खबर मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। नक्सलियों ने फायरिंग की, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। दिनभर रुक-रुक कर चली गोलीबारी में नक्सलियों के 2 लीडर मारे गए। मारे गए नक्सलियों की पहचान राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है। दोनों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 40-40 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने मुठभेड़ वाली जगह से एक्व्य-47 राइफल, एक इंसास राइफल, एक ब्ञ्जरु लॉन्चर, भारी मात्रा में विस्फोटक और नक्सल साहित्य बरामद किया है। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि इन दोनों सदस्यों के मारे जाने से संगठन को बड़ी चोट पहुंची है। उन्होंने कहा कि दोनों पिछले तीन दशकों से दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति में सक्रिय थे। वे कई बड़ी हिंसक वारदातों के मास्टरमाइंड रहे हैं। आईजी ने नक्सल कैडरों से अपील की है कि वे हिंसा छोड़कर सरकार की समर्पण और पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, %यह ऑपरेशन अपने अंतिम दौर में है। 18 सितंबर को बीजापुर में 2 और गढ़चिरौली में 2 महिला नक्सली मारी गई थीं। गरियाबंद जिले में 11 सितंबर को जवानों ने एनकाउंटर में 5 करोड़ के 10 इनामी नक्सलियों को मार गिराया था।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025

निगम के सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का किया गया नि:शुल्क स्वास्थ परीक्षण

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सियान सदन में आयोजित शिविर का किया निरीक्षण, शत प्रतिशत सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण कराए जाने अधिकारियों को दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। स्वच्छता ही सेवा- 2025 अभियान के तहत घंटाघर स्थित सियान सदन में नगर पालिक निगम कोरबा के सफाईमित्रों, सफाई कामगारों व स्वच्छता दीदियों का सघन स्वास्थ परीक्षण कराया गया। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने शिविर में पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया एवं जांच हेतु पहुंचे सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों से उनके स्वास्थ पर चर्चा की एवं शिविर का लाभ उठाने को कहा। उन्होने अधिकारियों से कहा कि वे शत प्रतिशत सफाई कामगारों, स्वच्छता दीदियों का हेल्थ चेकअप कराएं ताकि कोई भी कर्मी इसके लाभ से वंचित न रहे। इस मौके पर वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी भी उपस्थित थे।

यहाँ उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की महती योजना '' स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 '' के अंतर्गत शासन द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विगत 17 सितम्बर से आगामी 02 अक्टूबर तक '' स्वच्छता ही सेवा -2025 '' अभियान का संचालन निगम क्षेत्र में किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पृथक-पृथक थीम पर आधारित संचालित की जा रही विविध गतिविधियों व कार्यक्रमों की अगली कड़ी में आज से निगम के सफाईमित्रों, सफाई कामगारों व स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ परीक्षण हेतु 03 दिवसीय स्वास्थ परीक्षण शिविर का आयोजन प्रारंभ किया गया। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शिविर में पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया, वहॉ की व्यवस्थाओं को देखा, जांच कराने पहुंचे सफाई कामगारों एवं स्वच्छता दीदियों से उनकी स्वास्थ संबंधी जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शत प्रतिशत सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का हेल्थ चेकअप कराने एवं आवश्यकतानुसार उन्हें आवश्यक दवाईयॉ उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि कोई भी कर्मी शिविर के लाभ से वंचित न रहें। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि शिविर के प्रथम दिन आज घंटाघर स्थित सियान सदन में निगम के कोसाबाड़ी व रविशंकर नगर जोनांतर्गत कार्यरत सफाईमित्रों, कामगारों व स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण कराया गया, वहीं सियान सदन में ही आयोजित किए जाने वाले शिविर के दूसरे दिन 23 सितम्बर को कोरबा व टी.पी.नगर जोन में कार्यरत एवं तीसरे दिन 24 सितम्बर को दर्री, बालको व सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत कार्यरत सफाईमित्रों, कामगारों एवं स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण शिविर में किया जाएगा। शिविर में बाहरी स्वास्थ परीक्षण के साथ-साथ 41 प्रकार की खून जांच की सुविधा उपलब्ध है, शिविर में बुखार, मलेरिया, डेंगू, बी.पी., शुगर, लिपिड प्रोफाईल, सी.बी.सी., लीवर, किडनी, पेसाब की जांच, प्रोटीन टेस्ट, बिटामिन बी.-12 जांच सहित 41 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

पी.एम.ए.वाई. की दी गई जानकारी - सियान सदन में आयोजित शिविर में भारत सरकार के महत्वपूर्ण अभियान '' अंगीकार -2025 '' का काउंटर भी स्थापित किया गया था, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त काउंटर पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, उन्होने शिविर में पहुंचे स्वच्छता कामगारों, स्वच्छता दीदियों आदि से भारत सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री आवास योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने को कहा। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के बी.एल.सी. व ए.एच.पी. घटकों की सघन जानकारी निगम के सफाईमित्रों, कामगारों व स्वच्छता दीदियों के साथ-साथ शिविर में आने वाले अन्य लोगों को प्रदान की गई तथा योजना के अंतर्गत आवेदन पत्र प्राप्त करने, आवेदन को भरकर जमा करने आदि की प्रक्रिया के साथ-साथ संबंधित दस्तावेजों व पात्रता आदि के संबंध में भी आवश्यक जानकारियॉ उन्हें मुहैया कराई गई।

जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज सुनाएंगे दिव्य श्रीराम कथा

मानस मंदिर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज का आगमन कोरबा में हुआ। वे चित्रकूट से प्रस्थान कर मां भवानी मंदिर, दर्री डेम पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत एवं आरती के साथ अभिनंदन किया गया।

22 सितंबर से 30 सितंबर तक भवानी मंदिर परिसर में नव निर्मित भव्य मानस मंदिर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया गया है। मानस मंदिर में माता कौशल्या की गोद में शिशु रूप में विराजमान प्रभु श्रीराम की दिव्य प्रतिमा स्थापित है। इसी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा एवं लोकार्पण के लिए यह भव्य आयोजन किया जा रहा है। 22 सितंबर को मां सर्वमंगला मंदिर में पूजन-अर्चन के पश्चात प्रात: 11 बजे विशाल कार व बाइक रैली निकली, जो पावरहाउस रोड, टीपीनगर चौक, सीएसईबी चौक होते हुए भवानी मंदिर पहुंची। इसके बाद दिव्य श्रीराम कथा का शुभारंभ हुई, जो प्रतिदिन इसी समय चलेगी। प्रथम दिवस श्रीराम कथा की महिमा का बखान किया गया। 23 सितंबर को भगवान शिव विवाह प्रसंग, 24 सितंबर को श्रीराम जन्मोत्सव, 25 सितंबर को बाल लीलाएं, 26 सितंबर को श्रीराम-सीता विवाह, 27 सितंबर को श्रीराम-केवट प्रसंग, 28 सितंबर को श्रीराम-भरत मिलाप, 29 सितंबर को श्रीराम-सबरी प्रसंग और 30 सितंबर को श्रीराम राज्याभिषेक एवं कथा का समापन होगा।

बी साईराम होंगे कोल इंडिया के नए चेयरमैन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया को नया चेयरमैन मिल गया है। पब्लिक इंटरप्राइजेज सेलेक्शन बोर्ड (पीईएसबी) की ओर से चयन प्रक्रिया के तहत शनिवार को साक्षात्कार के बाद एनसीएल के सीएमडी बी साईराम का नाम कोल इंडिया के नए चेयरमैन के लिए पीएसईबी ने प्रस्तावित किया है। मौजूदा चेयरमैन पीएम प्रसाद का कार्यकाल 31 अक्टूबर तक का है। चेयरमैन बनने की कतार में एनएमडीसी,नालको सहित अन्य कंपनियों के अधिकारी भी शामिल थे। इसमें मुकेश चौधरी डायरेक्टर मार्केटिंग कोल इंडिया लिमिटेड, इन्द्र देव नारायण सीएमडी एमईसीएल, बी. साईराम सीएमडी एनसीएल, निलेंदु कुमार सिंह सीएमडी सीसीएल, पंकज कुमार शर्मा डायरेक्टर प्रोडक्शन नालको, विश्वनाथ सुरेश डायरेक्टर कमर्शियल एनएमडीसी, विनय कुमार डायरेक्टर टेक्निकल एनएमडीसी, अनुज जैन डायरेक्टर फाइनेंस इंडियन ऑयल, हेमंत कुमार दास एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोजेक्ट्स पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन, आलोक सिंह प्रिंसिपल कमिश्नर आयकर विभाग राजकोट, डॉ पुड़ी हरिप्रसाद चीफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर रेलवे कोयला ऊर्जा शामिल थे। पीईएसबी ने इनमें से एनसीएल के सीएमडी बी साईंराम का चयन कोल इंडिया के नए चेयरमैन के रूप में किया है। बी साईराम कोल इंडिया के 30 वें चेयरमैन होंगे।

सेवा पखवाड़ा दिवस अंतर्गत दिव्यांग छात्र-छात्राओं की खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला कोरबा में सेवा पखवाड़ा दिवस अंतर्गत 21 सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल सीएसईबी पूर्व में दिव्यांग छात्र छात्राओं की खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग, एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद एवं एम.आई.सी सदस्य नगर पालिक निगम कोरबा श्रीमती धनेश्वरी गर्ग उपस्थित थीं। इस अवसर पर सीईओ श्री नाग द्वारा कहा गया कि सेवा पखवाड़ा दिवस में आज दिव्यांग छात्र छात्राओं कार्यक्रम में यह बच्चे दिव्यांग नहीं है जो अपने मन में मान ले कि मैं कुछ नहीं कर सकता वही दिव्यांग है और सभी बच्चों को यह कह कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को खेलकूद (कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, 50 मीटर दौड़, पेंटिंग, गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम) इत्यादि कराया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली दिव्यांग छात्र छात्राओं, शिक्षक को प्रोत्साहित करने टिफिन बॉक्स वितरण किया गया और सभी को भोजन कराया गया। तत्पश्चात उप संचालक द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम की समापन किया गया।

निदेशक ने मानिकपुर माइंस का किया निरीक्षण

जमीनी स्तर पर चल रहे खनन कार्यों की समीक्षा की

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी, योजना एवं परियोजना) आर.सी. महापात्र ने कोरबा प्रोजेक्ट के मानिकपुर माइंस का निरीक्षण किया। कोल उत्पादन के संबंध में जानकारी ली एवं कोयला उत्पादन को बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

उन्होंने जमीनी स्तर पर चल रहे खनन कार्यों की समीक्षा की साथ ही कार्यस्थल पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियो से बातचीत की और खदान में चल रही गतिविधियों का जायजा लिया। उनके द्वारा साइलो कार्य का जायजा लिया गया एवं कार्य में प्रगति लाने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए ।उन्होंने रोड सेल एवं रेलवे साइडिंग का भी निरीक्षण कर कोयला प्रेषण में तेजी लाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उनके द्वारा दक्षता, सुरक्षा और सतत उत्पादन बढ़ाने के उपायों के मूल्यांकन पर विशेष जोर दिया गया ।दौरे के दौरान कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक आर के गुप्ता,मानिकपुर उपक्षेत्र के महाप्रबंधक (खनन) जे एकमबरम एवं मानिकपुर उपक्षेत्र के सभी अधिकारी निरीक्षण स्थल पर उपस्थित थे।

राशिफल

मेष : भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधियों के बीच प्रगाढ़ता बढ़ेगी। निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

बृषभ : विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। महत्वपूर्ण कार्यों की पूर्ति में आलस्य न करें। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

मिथुन : अच्छे कार्यों द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीतिज्ञों को ग्रहों का सहयोग प्राप्त होगा। संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रोजगार में लाभकारी स्थिति प्रसन्न रखेगी।

कर्क : अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। अच्छी आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। बीती हुई बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर बनेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी।

सिंह : नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आवेश में लिये गये निर्णय से कष्ट संभव। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

कन्या : किसी नये कार्य में आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बढ़ेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

तुला : पारिवारिक चिंताओं से मन परेशान होगा। घरेलू कार्यों में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाऐगी। महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

वृश्चिक : पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रय प्रतिशत तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। रोजगार क्षेत्र में परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा।

धनु : उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रय प्रतिशत करें। मन अच्छी कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। निर्थक दूसरों की आलोचना न करें। कुछ नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी।

मकर : अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सन्निध्य प्राप्त होगा। गुप्त विरोधियों से सतर्क रहें। विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। अच्छे कार्यों के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। राजनीतिज्ञों के लिए समय अनुकूल होगा। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

मीन : भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधों में खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को कल पर न टालें। पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। मन में नकारात्मक विचार न आने दें।

शासन की योजनाओं में ओबीसी की भागीदारी बढ़ाना आयोग का उद्देश्य: अध्यक्ष आर एस विश्वकर्मा

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने जिले में हुई ओबीसी सर्वे की समीक्षा की

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा आर.एस.विश्वकर्मा आई.ए.एस.(से.नि.) ने सदस्यगण नीलांबर नायक, बलदाउ राम साहू, हरिशंकर यादव, यशवंत सिंह वर्मा, कृष्णा गुप्ता एवं सचिव अमित श्रीवास्तव की उपस्थिति में विभागीय बैठक लेकर जिले में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के हुए सर्वे की समीक्षा की। इस अवसर पर अध्यक्ष विश्वकर्मा ने आयोग की पृष्ठभूमि के संबंध में बताया कि आयोग के बनने के पश्चात ओबीसी वर्ग के कल्याण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में ओबीसी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण व्यवस्था, आर्थिक सामाजिक सुधार कार्य, शासन की योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग की भागीदारी तथा अभी तक की भागीदारी में योजनाओं का लाभ उठा पाने में वंचित जातियों का पता लगाना भी शामिल है। अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग के हित के लिए अलग से मंत्री, विभाग बनाया गया है। इसके साथ ही सरकार की योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बजट का प्रावधान करने और उनका कल्याण के दिशा में कदम उठाना भी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का उद्देश्य प्रदेश में पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उनके आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक भागीदारी फोकस करना है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा द्वारा विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की भागीदारी के संबंध में जानकारी ली। बैठक में पीपीटी के माध्यम से आदिवासी विकास विभाग ,जिला योजना एवं सांख्यिकी, समाज कल्याण विभाग, मछली पालन विभाग, ग्रामोद्योग रेशम विभाग, पशुधन विकास विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों के कल्याण के दिशा में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई।

आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा सहित खेल से जोड़कर अन्य गतिविधियों में आगे बढ़ाने, स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हेतु फील्ड पर भ्रमण को महत्वपूर्ण बताया। आयोग के सदस्यों ने स्कूली विद्यार्थियों जाति प्रमाण पत्र और ओबीसी वर्ग के जाति प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में क्रीमिलेयर, नॉनक्रीमिलेयर की व्याख्या करते हुए जानकारी दी और जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही दिक्कतों को दूर करने हेतु पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास भवन की आई मांग पर पहल करने की बात की।

बैठक में कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि क्वांटीफिएबल डाटा तैयार करने के साथ ही सभी विभागों द्वारा शासन की योजनाओं में ओबीसी वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा है। बैठक के माध्यम से जो दिशा निर्देश दिए गए है, जिला प्रशासन उन्हें पूरा करने का काम करेगा। बैठक में नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, संयुक्त कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे, सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर, एसडीएम सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सेजेस गोपालपुर में विद्यार्थियों के द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर क्लीन सिटी लिखकर दिया गया स्वच्छता का संदेश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार व जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार सेजेस गोपालपुर की प्राचार्य डॉ श्रीमती सीमा भारद्वाज के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत शालाओं में स्वच्छता के महत्व विद्यार्थियों एवं समुदाय के सदस्यों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विद्यालय में अध्ययनरत अरपा सदन, इंद्रावती सदन, शिवनाथ सदन, एवं महानदी सदन के विद्यार्थियों के द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर क्लीन सीटी लिखकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इसमें विद्यालय के व्याख्याता विनोद कुमार साहू, श्रीमती पुैरन बंजारे, श्रीमती भूमिका राव, श्रीमती श्यामा प्रधान, श्रीमती नमिता दुबे, सुरेश कुमार के द्वारा अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़) एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

प्रारंभिक अधिसूचना

क्रमांक/11828/भू-अर्जन/2025 कोरबा, दिनांक 11.09.2025

क्रमांक 202204050400003/अ-82/2021-22- चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि, नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की, अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन, एतद् द्वारा, अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

-: अनुसूची :-

भूमि का प्रकार					धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/ प.ह.न.	ख.नं.	क्षेत्रफल (हे.में)		
कोरबा	हरदी बाजार	रायपुर/ 09	1/2 शामिल 4,5,7	0.192	कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग कोरबा संभाग कोरबा (छ.ग.)	जिला कोरबा के रामपुर मोड़ से डिपरीपारा मुरली मार्ग लंबाई 2.96 कि.मी. निर्माण हेतु
			3	0.024		
योग: -			02 खसरे	0.216	-	-

2. यह भी सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त भूमि में कोई हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्षो के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम, 2013 की धारा 15 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
3. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी पाली के कार्यालय में किया जा सकता है।
4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।
5. प्रस्तावित प्रयोजन के भू-अर्जन के लिए कराए गए सामाजिक समाघात अध्ययन के अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना प्रस्तावित है तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में लाभ अधिक होना पाया गया है।
6. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम, 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी पाली जिला कोरबा के पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन का प्रशासक नियुक्त किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी पाली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

जी-252603628/1

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(अजीत वसंत)
कलेक्टर जिला-कोरबा (छ.ग.)
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शपथ लेते हुए।

भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने पार्टी सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली में नौकरी चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

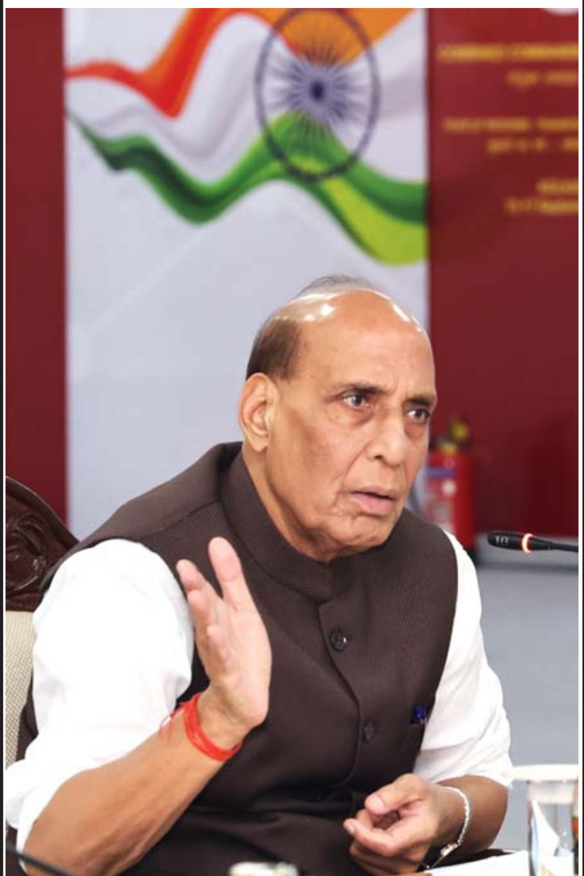
केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोलकाता, पश्चिम बंगाल में संयुक्त कमांडर सम्मेलन (सीसीसी) 2025 को संबोधित करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के धार में स्वास्थ्य कियोस्क और पीएम मित्र पार्क मंडप का अवलोकन किया।

बीएलए और मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग, पाकिस्तान और चीन का संयुक्त प्रस्ताव

न्यूयॉर्क ,23 सितंबर (एजेंसी)। सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने कहा कि, अफगानिस्तान से पैदा हुआ आतंकवाद पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। साल 2011 में गठित मजीद ब्रिगेड, बीएलए का आत्मघाती दस्ता है और यह मुख्यत: पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी हितों को निशाना बनाता है।पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए संयुक्त प्रस्ताव पेश किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के सामने यह प्रस्ताव पेश किया गया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा कि आईएसआईएल-के, अल-कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और उसकी मजीद ब्रिगेड सहित कई आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान से संचालित हो रहे हैं। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी सीमा के पार अफगानिस्तान में 60 से ज्यादा आतंकी शिविर संचालित हो रहे हैं। पाकिस्तान वर्तमान में सुरक्षा परिषद का अस्थायी

सदस्यसंयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि अहमद ने कहा, %पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त रूप से 1267 प्रतिबंध समिति को बीएलए और मजीद ब्रिगेड को प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया है। हमें उम्मीद है कि परिषद उनकी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई करेगी।% पाकिस्तान वर्तमान में 15 देशों की सुरक्षा परिषद में 2025-26 के कार्यकाल के लिए एक अस्थायी सदस्य के रूप में शामिल है, जबकि चीन इस शक्तिशाली निकाय का वीटो-अधिकार प्राप्त स्थायी सदस्य है।बीएलए का आत्मघाती दस्ता है मजीद ब्रिगेडपाकिस्तान 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और आतंकवाद-रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी है। अहमद ने कहा कि अफगान तालिबान अधिकारियों को आतंकवाद-रोधी अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करना चाहिए। अहमद ने कहा, अफगानिस्तान से पैदा हुआ आतंकवाद पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। साल 2011 में गठित मजीद ब्रिगेड, बीएलए का आत्मघाती दस्ता है और यह मुख्यत: पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी हितों को निशाना बनाता है।पाकिस्तान में कई आत्मघाती हमलों में शामिल रहे हैं ये संगठनपिछले महीने, अमेरिका ने बीएलए और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। कई आतंकवादी हमलों के बाद 2019 में वाशिंगटन द्वारा बीएलए को एसडीजीटी घोषित किया गया था। साल 2024 में, बीएलए ने कराची हवाई अड्डे और ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर के पास आत्मघाती हमले करने का दावा किया था। 2025 में, संगठन ने क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण की जिम्मेदारी ली

बुटिजज को लड़ाना चाहती थीं उपराष्ट्रपति चुनाव लेकिन, हैरिस ने अपनी किताब में खोले कई राज

वॉशिंगटन,23 सितंबर(एजेंसी) । कमला हैरिस ने अपनी किताब 107 डेज में खुलासा किया है कि 2024 चुनाव में उनकी पहली पसंद रनिंग मेट के तौर पर पीट बुटिजज थे। उन्होंने उन्हें आदर्श साथी बताया, लेकिन उनका मानना था कि अमेरिका एक साथ इतने बदलाव के लिए तैयार नहीं था। बाइडन के

चुनाव से हटने के बाद हैरिस ने टिम वाल्ज को साथी बनाया था।

अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपनी नई किताब में कई बड़े खुलासे किए है। इसी में एक खुलासा उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर किया है। हैरिस ने बताया कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी पहली पसंद बतौर रनिंग मेट पीट बुटिजज थे। हालांकि, उन्होंने यह जोड़ी बनने से पहले ही पीछे हटने का फैसला लिया क्योंकि उन्हें लगा कि अमेरिका एक साथ इतने बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था।हैरिस ने 107 डेज नामक किताब में लिखा कि परिवहन मंत्री पीट बुटिजज उनके लिए आदर्श चुनावी साथी होते। उन्होंने कहा, कि अगर मैं एक श्वेत पुरुष होती, तो शायद यह जोड़ी आदर्श होती। लेकिन उन्होंने माना कि अमेरिका से एक साथ महिला, अश्वेत और यहूदी पृष्ठभूमि वाले परिवार को स्वीकार करने की उम्मीद करना उस समय बड़ा जोखिम होता।दिल तो चाहता था, लेकिन...

किताब में हैरिस लिखती हैं कि उनका मन तो कहता था कि चलो कर ही देते हैं लेकिन चुनाव की गंभीरता को देखते हुए उन्हें समझ आया कि यह दांव जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि पीट और वे दोनों इस हकीकत को समझते थे और यह निर्णय उनके लिए दुखदायी भी था।

बुटिजज का राजनीतिक सफरपीट बुटिजज इंडियाना के साउथ बेंड शहर के मेयर रहे और नौसेना रिजर्व में इंटेलिजेंस ऑफिसर भी। वे 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के तौर पर उतरे और आयोवा कॉकस में शीर्ष पर भी रहे। इसी दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि किस मोड़ पर हैरिस ने उनके साथ जोड़ी बनाने का विचार छोड़ दिया।बाइडन के बाद बदल गया समीकरण2024 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन ने बहस में खराब प्रदर्शन के बाद चुनावी दौड़ से हटने का एलान किया, तब डेमोक्रेटिक पार्टी का चेहरा हैरिस बनीं। अंतत: उन्होंने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ को रनिंग मेट चुना। बता दें, वाल्ज की टिप्पणी %ये लोग बस अजीब हैं% ट्रंप और जेडी वेंस पर खूब वायरल हुई थी। इसके बावजूद हैरिस चुनाव हार गईं थीं।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को किया फोन, भारत-डेनमार्क ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की प्रतिबद्धता

डेनमार्क ,23 सितंबर ।डेनमार्क की प्रधानमंत्री मैटे फ्रेडरिक्सन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-डेनमार्क ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई।दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत में व्यापार, निवेश, नवाचार, ऊर्जा, जल प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने डेनमार्क की मौजूदा यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और जल्द से जल्द शांति व स्थिरता बहाल करने के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया।प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र निष्कर्षण के प्रति डेनमार्क के मजबूत समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने वर्ष 2026 में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए भी अपना समर्थन व्यक्त किया।प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने अपनी हरित रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता के लिए डेनमार्क को शुभकामनाएं दी। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने में हमारी साझा रुचि पर भी चर्चा हुई। डेनमार्क के प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने कहा कि हमने अपने संबंधों और हरित रणनीतिक साझेदारी की मजबूती की पुष्टि की। वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मैंने सहयोग के महत्व पर जोर दिया, साथ ही यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के वैश्विक परिणामों से निपटने पर भी जोर दिया।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की नई धमकी, भारतीय कॉन्सुलेट को निशाना बनाने की चेतावनी

टोरंटो ,23 सितंबर (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक गतिविधियां एक बार फिर तेज हो गई हैं। चरमपंथी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' ने वैंकूवर स्थित भारतीय कॉन्सुलेट को निशाना बनाने की धमकी दी है। साथ ही भारतीय नागरिकों को उस क्षेत्र में न जाने की चेतावनी जारी की गई है।

स्न्नछ्व ने एक पोस्टर जारी किया है जिसमें कनाडा में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक की तस्वीर है। पोस्टर में उनके चेहरे पर क्रॉसहैर निशान लगाए गए हैं, जिसे जानकार खतरनाक संकेत मान रहे हैं। संगठन का आरोप है कि भारतीय कॉन्सुलेट खालिस्तानी समर्थकों की जासूसी में शामिल है।

एसएफजे ने भारतीयों से अपील की है कि वे गुरुवार (18 सितंबर) को वैंकूवर कॉन्सुलेट न आएं। बयान में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा 2023 में संसद में दिए गए उस बयान का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स की भूमिका की जांच का उल्लेख किया था।

पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट '2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' में दावा किया गया कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूह ङ्क बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन ङ्क को कनाडा से वित्तीय सहायता मिल रही है।

ओटावा की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1980 के दशक से कनाडा में मौजूद खालिस्तानी समर्थकों द्वारा भारत में अलगाववादी आंदोलन के लिए हिंसक तरीकों का उपयोग किए जाने की कोशिश की जाती रही है।

हालांकि, अभी तक भारत या कनाडा सरकार की तरफ से इस नई धमकी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैंकूवर कॉन्सुलेट की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ सकती है, खासकर तब जब हाल ही में भारत-कनाडा संबंधों में तनाव देखने को मिला है।

पाक ने ही करवा दी ट्रंप की किरकिरी विदेश मंत्री बोले-भारत ने तीसरे देश की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की

लंदन ,23 सितंबर ।पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने एक बयान ने एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप की किरकिरी करवा दी है। डार ने अपने बयान से ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया जिस दावे में ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने की बात कही थी। डार के मुताबिक भारत ने कभी भी दोनों देशों के बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की।

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला, 100 से अधिक ड्रोन और 150 बम, अब जेलेंस्की को हथियार देगा अमेरिका

कीव ,23 सितंबर ।रूसी सेना ने यूक्रेन के जपोरिजिया शहर पर बड़े हमले किए। रूस ने इस दौरान 100 से अधिक ड्रोन और लगभग 150 ग्लाइड बम दागे। यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि अन्य शहर भी निशाने पर रहे। उन्होंने यूरोपीय नेताओं से अपील की है कि यूरोप की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय एयर डिफेंस सिस्टम तत्काल उपलब्ध कराया जाए। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि बीते दो हफ्तों में रूस ने 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 से ज्यादा ग्लाइड बम और करीब 200 मिसाइलें यूक्रेन पर दागी हैं। उनका कहना है कि यूरोप की संयुक्त सुरक्षा केवल मजबूत वायु रक्षा प्रणाली से संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक रूस को भारी आर्थिक नुकसान नहीं होगा, वह युद्ध खत्म करने की दिशा में कदम नहीं उठाएगा। वहीं यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पश्चिमी रूस के सारातोव क्षेत्र में स्थित एक तेल रिफाइनरी पर रात में हमला किया।

ग्लाइड बम से भारी तबाही

गौरतलब है कि रूसी ग्लाइड बम लड़ाकू विमानों से ऊंचाई से गिराए जाते हैं, जिनका बचाव करना बेहद मुश्किल है। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव के अनुसार, रूसी सेना ने मल्टीपल रॉकेट लॉन्च सिस्टम से भी 10 हमले किए, जिनमें 10 अपार्टमेंट इमारतें और 12 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए। जपोरिजिया में इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि चार बच्चों सहित 20 लोग घायल हैं। कई स्थानों पर आग भी लग गई। मायकोलाइव क्षेत्र में भी एक व्यक्ति की मौत हुई है।

यूक्रेन में सैन्य फेरबदल

रूस की बढ़त के बीच यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने दो वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पद से हटा दिया है। 17वीं सेना कोर के प्रभारी वोलोदिमीर सिलेंको और 20वीं सेना कोर के प्रमुख मैक्सिम कितुहिन को जिम्मेदारी से मुक्त किया गया है। बताया जा रहा है कि सिलेंको की तैनाती जपोरिजिया क्षेत्र में थी, जहां निप्रो नदी के तट पर एक गांव पर से यूक्रेनी सेना का नियंत्रण खत्म हो गया। वहीं कितुहिन डोनेस्क क्षेत्र के पास तैनात थे, जहां रूस ने कई गांवों पर कब्जा कर लिया है।अमेरिकी हथियार सहायता को मंजूरीइसी बीच ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को अमेरिकी हथियार सहायता के पहले पैकेज को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, यह सहायता एक नए वित्तीय समझौते के तहत सहयोगियों के साथ मिलकर भेजी जाएगी और जल्द ही कीव तक पहुंचाई जाएगी।

लश्कर और जैश संगठनों पर वैश्विक कार्रवाई जरूरी, अफगानिस्तान को आतंक मुक्त करने के लिए यूएन में बोला भारत

वॉशिंगटन,23 सितंब र । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत ने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल बंद करना होगा। भारत ने आतंकवाद से लड़ाई में वैश्विक सहयोग पर जोर देते हुए मानवीय सहायता और विकास परियोजनाओं की जानकारी दी। भारत ने दोहराया कि उसकी प्राथमिकता अफगानिस्तान में शांति, स्थिरता और लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है।संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद पर बड़ा हमला बोला है। भारत ने साफ कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह सुनिश्चित करे कि ये संगठन और उनके मददगार अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने के लिए अब और न कर सकें। यह संदेश भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने सुरक्षा परिषद की अफगानिस्तान पर बैठक में दिया।हरीश ने कहा कि भारत लगातार अफगानिस्तान की स्थिति पर नजर रख रहा है। अफगानिस्तान और भारत के बीच गहरा सभ्यतागत रिश्ता है और इसी कारण शांति और स्थिरता भारत के लिए बेहद अहम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकियों के लिए किसी भी तरह की जगह छोड़ना दुनिया और खासकर इस क्षेत्र के लिए खतरनाक है।भारत ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर इस बात पर जोर दिया है कि आतंकवाद का मुकाबला करने में सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। हरीश ने कहा कि

यूएनएससी द्वारा घोषित आतंकी संगठन, चाहे वह आईएसआईएस हो, अल-कायदा हो या फिर पाकिस्तान समर्थित लश्कर और जैश, इन पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

हरीश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहमति का पक्षधर है। भारत ने दोहा और अन्य क्षेत्रीय बैठकों में भी सक्रिय भागीदारी की है ताकि शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर दो बार अफगान कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से बात कर चुके हैं। भारत ने अफगानिस्तान की ओर से 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा का भी स्वागत किया।भारत का कहना है कि केवल दंडात्मक कदमों से समस्या हल नहीं होगी। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान के लिए नई और व्यावहारिक नीति की जरूरत है। सिर्फ प्रतिबंध या पुराने तरीकों से आगे नहीं बढ़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि जैसा चल रहा है वैसा ही चलता रहे वाली नीति से कोई फायदा नहीं होगा। जरूरत है कि सकारात्मक रवैये को प्रोत्साहित किया जाए और नकारात्मक गतिविधियों को हतोत्साहित किया जाए।हरीश ने अफगानिस्तान में आए भूकंप का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सबसे पहले राहत पहुंचाने वाले देशों में शामिल था। भारत ने 1,000 परिवारों के लिए टेंट और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी। इसके अलावा 21 टन राहत सामग्री जिसमें दवाएं, हाइजीन किट, कंबल और जनरेटर शामिल थे, भी भेजे गए। आने वाले दिनों में और मदद भेजी जाएगी।अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद भारत लगातार मदद भेज रहा है। अब तक भारत ने 50,000 टन गेहूं, 330 टन से ज्यादा दवाएं और टीके, 40,000 लीटर कीटनाशक और कई अन्य आवश्यक सामग्री भेजी हैं। इसके अलावा भारत ने यूएनओडीसी के सहयोग से महिलाओं पर केंद्रित नशामुक्ति कार्यक्रमों के लिए भी मदद दी है।भारत का कहना है कि अफगानिस्तान की विकास जरूरतें पूरा करना उसकी प्राथमिकता है। भारत ने वहां 500 से ज्यादा विकास यूएनओडीसी के सहयोग से महिलाओं पर केंद्रित नशामुक्ति कार्यक्रमों के लिए भी मदद दी है।भारत का कहना है

सम्पादकीय...

आपदा की मुखबिरी

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं ने पिछली शताब्दी की शिकायत अर्ज की है, तो आने वाले भविष्य की पड़ताल भी शुरू की है। प्रदेश के कई शहर, कस्बे और गांव आपदा की जद में चिन्हित हुए, तो विकास की कई परियोजनाओं के कारनामे भी पकड़े गए। जाहिर है आपदा एक तरह के प्राकृतिक गुस्से का इजहार है, तो इसे समझने और इससे सीख कर एक 'न्यू प्लानिंग रिजीम' बनाने की जरूरत है। प्रदेश को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यानी एक अपर हिमाचल, एक मिडल और एक तलहटी या मैदानी हिमाचल। हमने पहले भी कई बार उल्लेख किया था कि हिमाचल के ऊपरी, मध्य व मैदानी इलाकों की पारिस्थितिकीय को देखते हुए पर्यटन, शिक्षा, औद्योगिक, आवासीय तथा कनेक्टिविटी के समाधान खोजे जाएं। हिमाचल का पिछले कुछ दशकों से नए हिमाचल से मुकाबला चल रहा है। न्यू व ओल्ड मनाली को ही देख लें कि योजनाओं ने कहां-कहां गलती की। शिमला व न्यू शिमला की परियोजना में वास्तुकला देख लें कि कहां गलती हुई। क्या हम शिमला को शहर के रूप में विकसित करते रहे या इसे राजधानी विकास क्षेत्र के रूप में देखते हुए इसके आसपास आधा दर्जन उपग्रह केंद्र विकसित करने चाहिए थे। हमने तीव्रता से नई सड़कें तो बनाई, लेकिन नए मार्ग प्रशस्त नहीं हुए। वहीं घूमकर फोरलेन भी धर्मशाला-शिमला के मध्य ट्रैफिक को देख रही है। क्या मंडी से मनाली पहुंचने का कोई और सुरक्षित व वैकल्पिक मार्ग नहीं हो सकता था। उसी परवाणू-शिमला मार्ग को हम फोरलेन की चारदीवारी से ढांपने की कोशिश में ढलानों में कब्रगाह खोदते रहे। आश्चर्य यह कि हमने हिमाचल की समग्रता में योजनाएं-परियोजनाएं बनाने के बजाय सत्ता के सुख और सत्ता के प्रभाव में स्थानीय और क्षेत्रवाद का चमत्कार दिखाने का रुतबा बना लिया। यही रुतबा बार-बार धर्मपुर के बस स्टैंड पर आकर ढह जाता है। सराज में ढही या विद्रूप हुई सरकारी इमारतें दरअसल राजनीतिक प्रभाव की अधकचरी चिनाई ही तो साबित कर रही है। हमने गांव को शहरी संस्कृति के विकास तक पहुंचा दिया, लेकिन व्यवस्था वही की वही रही। अगर लोग चूल्हा टैक्स नहीं देंगे तो गांव के परिदृश्य में हाहाकार ही रहेगा। शहरों की योजनाओं में कई तरह के रिसाव इस बार की आपदा ने इंगित किए हैं। मंडी जैसे शहर में नगर निगम की सौगात इस बरसात में ढही है, क्योंकि बढ़ती आबादी के दायरे में न जल निकास का हिसाब हुआ और न ही पेयजल की जरूरतों को चुना गया। शहर तो अपनी ही गंदगी में प्रलय को बुला रहे हैं। यकीन न हो तो धर्मशाला के सुधेड़ की तरफ शहरी कूड़े का ढेर दरअसल हमारी प्लानिंग की सड़ांध है। आश्चर्य तब होता है जब नगर निगम के पास नालियां साफ करने की योजना नहीं और न ही नालों और खड्डों को पानी के बहाव के लिए अबाधित बनाने का कोई कौशल विकसित हुआ। प्रदेश में कम से कम छह क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण विकसित करते हुए शहरी और ग्रामीण विकास के बीच सामंजस्य और क्षेत्रीय नियोजन की परिपाटी विकसित करने की जरूरत है। शहरों के कलस्टर बनाकर शहरी मांग को आपस में बांटना होगा तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को तीव्रगामी परिवहन की शहरी अपेक्षाओं के अनुरूप बनाना होगा। प्रदेश की कनेक्टिविटी के तीन द्वार समझते हुए नए मार्गों, रेल व हवाई परियोजनाओं के सर्वे होने चाहिएं। हिमाचल का सड़क परिवहन हमीरपुर के केंद्र में सारे प्रदेश को जोड़ सकता है, रेलवे विस्तार ऊना ट्रेन से आगे बढ़ेगा, जबकि हवाई यात्राएं कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से ही संभव हो पाएंगी।

शंका या संदेह पालना बेमानी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-एसआईआर) के दौरान कानून का पालन कर रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसका यही मानना है, और इसी के साथ हम आगाह करना चाहते हैं कि इस प्रक्रिया में किसी भी अवैधता की स्थिति दिखी तो समूची प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा। इसी के साथ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की और इस कवायद पर 'टुकड़ों में राय' देने से इंकार कर दिया।

यह भी स्पष्ट किया कि 'बिहार एसआईआर पर हमारा फैसला पूरे भारत में एसआईआर के लिए मान्य होगा' और यह भी स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत भारत निर्वाचन आयोग को देश भर में मतदाता सूची में संशोधन के लिए इसी तरह की प्रक्रिया शुरू करने से रोक नहीं सकती। अदालत ने भी साफ कर दिया कि 30 सितम्बर को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से मामले के फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

दरअसल, याचिकाकर्ताओं में से एक ने दलील दी थी कि उसे लगता है कि निर्वाचन आयोग यह प्रक्रिया समूचे देश में अपनाए जाने की तैयारी कर रहा है। वैसे इस बाबत कोई शंका या संदेह पालना बेमानी है। मतदाता सूची में संशोधन करने के लिए निर्वाचन आयोग कवायद करता रहता है, जो जरूरी भी है। मतदाता सूची अद्यतन होनी ही चाहिए। कुछ राजनीतिक दलों का आरोप है कि संशोधन की आड़ में बड़े स्तर पर मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं।

इसे लेकर उनने वोट अधिकार यात्रा भी निकाली और इस मुद्दे पर बिहार में माहौल को गरमाने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक, चुनाव से ऐन पहले इस प्रकार की कवायद संदेह पैदा करती है। इस कवायद की टाइमिंग को लेकर सवाल उठे हैं और पहली नजर में सही दिखलाई पड़ते हैं। फिर, जिस प्रकार आयोग ने मतदाता की वैधता के लिए जिन जरूरी दस्तावेज को मानने की बात कही उनमें पहले तो मतदाता पहचान पत्र को वैधता का आधार मानने से ही इंकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद ही वह इस दस्तावेज को मताधिकार की वैधता के रूप में पहचान पर राजी हुआ। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर तमाम राजनीति भले हो रही है, लेकिन यकीन के साथ कहा जा सकता है कि पूरी निगहबानी में इसे अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

विचारों को मूर्त रूप प्रदान करना : मोदी का अंदाज

हसमुख अधिया

नरेन्द्र मोदी की यात्रा के मूल में एक विशेष आदत: अनवरत अवलोकन निहित है। वह प्रत्येक मुलाकात को विचारों के स्रोत के रूप में देखते हैं, चाहे वह सामान्य बातचीत हो या विदेश यात्रा। लेकिन इन्हें नवीनता या अकादमिक विचार मानने वाले अनेक लोगों के विपरीत, मोदी इनमें से प्रत्येक विचार को संभावित समस्या के मूल कारण के आधार के तौर पर परखते हैं और फिर उसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल समाधान में ढालते हैं। जिज्ञासा, विश्लेषण और प्रभावी क्रियान्वयन के इसी मिश्रण ने उन्हें जमीनी स्तर के आयोजक से एक वैश्विक राजनेता के रूप में स्थापित किया है।

वास्तव में, मोदी के लिए सीखना कभी उम्र का मोहताज नहीं रहा। बचपन से ही, उनमें सहज जिज्ञासा थी और वे विविध कहानियों और अनुभवों को आत्मसात करते और तलाशते थे। जीवन भर उनका यही विश्वास रहा है कि जिज्ञासा हर स्तर पर को सीखने को बढ़ावा देती है। यहाँ तक कि उनकी जिम्मेदारियाँ जब क्षेत्रीय नेतृत्व से राष्ट्रीय पद तक बढ़ गई, इसके बावजूद, ऐसी नियमित मुलाकाते उनके मन में विचारों को जन्म देती रहीं और छोटी-छोटी बातें सीख में बदल गईं, जो वर्षों बाद, ऐन कार्रवाई करने का समय आने पर ही फिर से उजागर हुईं।

किशोरावस्था में, ज्ञान की इसी ललक ने उनकी यात्रा का आगाज़ किया। पहले-पहल आध्यात्मिक साधक के रूप में और बाद में एक समर्पित संघ प्रचारक के रूप में उन्होंने समूचे भारत की यात्रा की और ऐसे अनुभव बटोरे, जिन्होंने दुनिया को देखने-समझने की उनकी दृष्टि को आकार दिया। हर बातचीत उनके लिए कुछ नया सीखने का अवसर थी।

लेकिन जो बात उन्हें दूसरों से जुदा करती है, वह यह है कि यह सूझबूझ केवल सैद्धांतिक नहीं रही; अवसर पाते ही, उन्होंने इसे क्रियान्वित किया। हालाँकि, समस्या-समाधान की यह कला अक्सर अप्रत्याशित तरीकों से सामने आती रही। उदाहरण के लिए, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के दौरान, उन्होंने देखा कि कर्मचारी संगमरमर के ठंडे फर्श पर नंगे पाँव काम कर रहे थे और उन्होंने तुरंत उन कर्मचारियों के लिए जूट की चप्पलों का प्रबंध कर दिया, यह एक आसान उपाय था, जो सर्दी और आने वाली गर्मी, दोनों के लिए कारगर रहा। एक अन्य घटना में, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान की अपनी यात्रा के बाद, उन्होंने स्पर्शनीय मार्गचिन्ह (उभरी हुई सतह) की अवधारणा शुरु की। दृष्टिबाधित लोगों के लाभ के लिए उन्होंने इसे अहमदाबाद में लागू करने पर ज़ोर दिया। ये संकेत उनकी एक अनवरत आदत को जाहिर करते हैं: अनदेखा कर दी गई बारीकियों को दैनिक जीवन को आसान बनाने वाले व्यावहारिक सुधारों में बदलना।

उनके कुछ विचार बीते दशकों की याद दिलाते हैं। 1993 में लॉस एंजिल्स की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने फाइनेंशियल हाई-राइजिज के समूहों का अध्ययन किया; वर्षों बाद, उन्हीं विचारों ने गुजरात में गिफ्ट सिटी को भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को केंद्रीकृत करने के केंद्र के रूप में प्रेरित किया। इसी जिज्ञासा ने अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट को आकार दिया, जहाँ उन्होंने अधिकारियों से दुनिया भर की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करवाया, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि अंतिम डिज़ाइन स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित रहे। उनके अनुसार, ग्लोबल मॉडल तभी मायने रखते हैं, जब उन्हें पहले स्थानीय समुदायों की सेवा के लिए अनुकूलित किया जा सके। इस पद्धति में, कोई भी अवलोकन कभी भी सराहना किए योग्य अलग-थलग विचार नहीं होता, बल्कि यह एक रिसोर्स बैंक की तरह होता है, जो परिस्थितियों के अनुकूल होने पर लौटकर आता है, और संग्रहीत विचारों को विशाल परियोजनाओं में परिवर्तित कर देता है।

2002 में, कच्छ में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मोदी ने आपदा से निपटने में इस पद्धति को अपनाया। उन्होंने नियमित नौकरशाही मॉडलों को नकारते हुए अपनी टीम को जापान के कोबे भूकंप प्रबंधन का अध्ययन करने और उसके योजनाकारों से संपर्क करने का निर्देश दिया। लेकिन उनका विचार स्पष्ट था: मॉडलों को पूरी तरह से आयातित नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, इन जानकारियों को गुजरात के लिए तत्काल आवश्यकता वाले समाधानों जैसे भूकंपरोधी आवास, सुरक्षित निर्माण पद्धतियाँ और सामुदायिक भागीदारी- में ढाला गया। भारत में यह पुनर्वास के लिए एक मानक बन गया, जिसने दिखाया कि कैसे एक संकट अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान को भारतीय पहल के साथ मिलाने का परीक्षण स्थल बन सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने इसी क्रम को जारी रखा, दक्षिण कोरिया में नदी-सफाई परियोजनाओं का दौरा इसी इरादे से किया, कि उनसे प्राप्त सबक को नमामि गंगे में लागू किया जा सके।

भारत के भीतर से उभरने वाले विचारों के प्रति भी उन्होंने उतना ही उत्साह दिखाया है। इसका उल्लेखनीय उदाहरण नैनो यूरिया है, जो एक युवा वैज्ञानिक द्वारा प्रधानमंत्री को दिए गए सुझाव से उपजा नवाचार है। मोदी ने तुरंत इसकी क्षमता को पहचाना और इसके विकास पर ज़ोर दिया। आज, इसकी एक छोटी बोतल पारंपरिक उर्वरक की एक बोरी की जगह ले सकती है, जिससे लागत में कमी आती है और किसानों का बोझ कम होता है। यही खुलापन सरकारी कार्यक्रमों को भी आकार देता है: जब वित्तीय समावेशन योजना के नामकरण के लिए जनता की प्रतिक्रिया मांगी गई, तो नागरिकों ने ही जन धन शब्द गढ़ा। वैज्ञानिकों और आम लोगों, दोनों के नवाचारों को प्रोत्साहित करते हुए मोदी ने दिखाया कि कैसे घरेलू विचारों को राष्ट्रीय समाधानों में बदला जा सकता है। ये कहानियाँ मिलकर मोदी के जीवन के एक अनवरत सूत्र को उजागर करती हैं। मंदिर में मामूली प्रतीत होने वाली असुविधा को दूर करने से लेकर, एक आधुनिक शहर की रूपरेखा तैयार करने, किसी तबाह क्षेत्र के पुनर्निर्माण या किसी क्रांतिकारी उर्वरक को अपनाने तक, उनकी प्रक्रिया एक समान ही रही है: स्थिति का ध्यानपूर्वक अवलोकन करना, लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं की पहचान करना और उसे पूरा करने के लिए निर्णायक रूप से कार्य करना। आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत: (प्रत्येक दिशा से कल्याणकारी विचार हमारी ओर आएँ) के भारतीय दर्शन का पालन करते हुए, मोदी हर यात्रा और संवाद से सक्रिय रूप से अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं और भारत को आगे बढ़ाने के लिए उनका उपयोग करने का दृढ़तापूर्वक प्रयास करते हैं। अंतत:, उनका हर विचार लोगों के लिए होता है, उनके जीवन और विकसित भारत की उनकी आकांक्षाओं में निहित होता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

विकास और विश्वास के नये धरातल पर खड़ा बस्तर

आभा मिश्रा

किसी भी राज्य में औद्योगिक विस्तार और निवेश को आकर्षित करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति और जनता में सरकार के प्रति भरोसा। छत्तीसगढ़ अपने जन्म के समय से ही नक्सलवादी हिंसा से जूझता रहा है। खासतौर पर बस्तर का इलाका तो छत्तीसगढ़ बनने से पहले भी नक्सलवादियों का गढ़ रहा है।

विकास की कमी और आम जनता पर नक्सलियों की पकड़ ने इस क्षेत्र को हमेशा पीछे रखा, लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। आदिवासी बहुल इस प्रदेश में विष्णु देव साय के प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बनने का असर अब साफ दिखने लगा है। राज्य पुलिस ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर नक्सलियों पर काफी हद तक न केवल नकेल कसी है बल्कि आदिवासी होने के नाते मुख्यमंत्री साय में राज्य के लोगों का भरोसा भी बढ़ रहा है।

यही वजह है कि बस्तर अब भय और पिछड़ेपन से निकलकर विकास और विश्वास के नये धरातल पर खड़ा है और शांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी उपेक्षा और अभाव की पहचान से जूझने वाला यह क्षेत्र अब निवेश, अवसर और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री के प्रति प्रदेश के लोगों में बढ़ता भरोसा और केंद्र सरकार के नक्सल विरोधी अभियानों से न केवल इस क्षेत्र में उद्योग और शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन तक हर क्षेत्र में बदलाव दिखने लगा है, बल्कि उम्मीद और विश्वास की नई किरण जगी है। पिछले 20 महीनों में मुख्यमंत्री बस्तर के 100 से अधिक इलाकों का दौरा कर चुके हैं। इन दौरों ने जनता में उनकी विसनीयता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र में नक्सलवाद पर नियंत्रण ने विकास कार्य की राह सुगम की है।

इसी का नतीजा है कि बस्तर संभाग के जगदलपुर में पहली बार 350 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। इस पर 550 करोड़ रुपये की लागत आएगी और 200 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसी क्रम में जगदलपुर में नवभारत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा 85 करोड़ रुपये के निवेश से 200 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और 33 करोड़ रुपये के निवेश से एक अन्य मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जा रहा है।

यहां पर 7.65 करोड़ रुपये के निवेश से नमन क्लब एवं वेलनेस सेंटर भी शुरू होने जा रहा है। इन परियोजनाओं से बस्तर में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं वेलनेस का विस्तार होगा और सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। यहां की जनता भी अब हिंसा से ऊब कर इस नये बदलाव को सहर्ष स्वीकार कर रही है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और इसे 'धान का कटोरा' कहा जाता है, लेकिन यहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विस्तार जरूरत के अनुसार नहीं हो पाया।

मुख्यमंत्री ने इस कमी की भरपाई करने की योजना बनाई और इसी के तहत बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर और कोण्डागांव जिलों में आधुनिक राइस मिल और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना की जा रही है। रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024 के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली या 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

इस नीति में औषधि निर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, आईटी एवं डिजिटल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस व डिफेंस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके तहत बस्तर में होटल, इको-टूरिज्म, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स और खेल सुविधाओं जैसी परियोजनाओं पर 45 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद अब तक प्रदेश सरकार के पास लगभग 6 लाख 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं।

बस्तर में न केवल नक्सलियों की गतिविधियों को कमजोर किया गया है, बल्कि विकास का माहौल भी तेजी से बन रहा है। पिछले 20 महीनों में 65 नये सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए हैं, जिनसे दुर्गम इलाकों में सुरक्षा का दायरा बढ़ा है और ग्रामीणों में आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के लिए घोषित नई पुनर्वास नीति ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का बेहतर अवसर प्रदान किया है। नई नीति में वित्तीय सहायता बढ़ाई गई है और आवास व भूमि का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

नई नीति में आत्मसमर्पण करने वालों को तीन वर्षों तक प्रतिमाह 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता, शहरी क्षेत्र में चार डिसमिल जमीन या ग्रामीण क्षेत्र में एक हेक्टेयर कृषि भूमि उपलब्ध कराने का फैसला विष्णु देव साय सरकार ने किया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत अब तक 90,273 युवाओं को विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से 39,137 युवाओं को रोजगार मिला है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

अतिक्रमण न अनूठी, न ही नई

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर, अपने अंतरिम आदेश में पूरे वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। परंतु अदालत के समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं में जिन प्रावधानों को लेकर आपत्तियां थीं, उन पर रोक जरूर लगा दी। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत द्वारा मई के अंत में यह फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। सरकार का मत है कि नया कानून वक्फ बोडरे में सुधार और पारदर्शिता निश्चित करने वाला है। परंतु इस संशोधन को असंवैधानिक बताने और मुसलमानों की संपत्ति हड़पने की मंशा रखने वाला बताने वालों ने सौ से ज्यादा लोगों ने याचिकाएं लगाई थीं।

अदालत के अनुसार केंद्रीय वक्फ काउंसिल में चार से अधिक सदस्यों की संख्या नहीं हो सकती जबकि राज्य के बोर्ड में तीन सदस्य होंगे। जिलाधिकारी को घोषित वक्फ संपत्ति के सरकारी होने न होने के विषय में तय करने का अधिकार भी नहीं होगा। इस कानून का विरोध करने वालों को सबसे ज्यादा आपत्ति जिलाधिकारियों को दिए गए इसी अधिकार को लेकर थी जिसके अनुसार डीएम वक्फ के दावे वाली सरकारी जमीन के बारे में मसौदा सरकार को भेज सकता है, जिसे सरकार द्वारा स्वीकार करने के उपरांत राजस्व रिकॉर्ड में वह भूमि या संपत्ति सरकारी के तौर पर दर्ज की जा सकेगी।

काउंसिल के दो गैर-मुसलमानों और महिला सदस्यों को लेने पर भी मुसलमानों को आपत्ति रही है। जैसा कि माना जाता है यह संपत्ति अल्लाह के नाम पर या धार्मिक/परोपकार के मकसद से दान की जाती है। धर्मस्थलों की आड़ में सरकारी या लंबे अरसे से खाली पड़ी जमीनों पर अतिक्रमण की घटनाएं देश में न अनूठी हैं, न ही नई। इस सरकार का वक्फ या मस्जिदों को निशाने पर रखने का मकसद किसी से छिपा नहीं है। वक्फ की संपत्ति की खरीद-फरोख्त नहीं होती, न ही इसका हस्तांतरण होता है।

देश भर में वक्फ बोर्ड के पास तकरीबन पौने नौ लाख संपत्तियां बताई जाती हैं जिनकी कीमत एक लाख करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। यह सरकारी लापरवाही और वोटों के लोभ में समुदाय विशेष को दिए गए संरक्षण का ही नतीजा है जो सरकारी संपत्तियों या भूमि पर अवैध कब्जा होता रहता है। सरकार को भी इसकी कीमत चुकानी होगी। विशेष धर्म के आधार पर कोई कानून बनाने की बजाय निष्पक्ष कानून बनाए जिसकी जद में हर धर्म आता हो। कहना होगा कि अतिक्रमणों को मुक्त कराने के प्रति राज्य सरकारों को मुस्तैद होना ही चाहिए।

नरेन्द्र मोदी: राजनीतिक अभिजात वर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

शिवराज सिंह चौहान

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली ज़मीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से ज़मीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोज़मर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हज़ारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरुआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस ज़मीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, ज़मीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मज़बूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे।

उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वयं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की ज़रूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

पुतिन ने मुझे निराश किया, ट्रंप ने माना कि रूस-यूक्रेन युद्ध रोकना आसान नहीं

लंदन,23 सितंबर (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष को सुलाझाने की प्रक्रिया काफी आसान समझ रहे थे। उन्होंने पुतिन से मुलाकात करके मान लिया था कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध रुक जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद ट्रंप रूस के राष्ट्रपति पुतिन पर हमलावर हो गए। उन्होंने ब्रिटेन दौरे के दौरान दावा किया कि पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को सुलझाने की प्रक्रिया में उन्हें निराश किया।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी पुतिन की आलोचना की और कहा कि उन्होंने आक्रमण के बाद अपने सबसे बड़े हमले से अपना असली चेहरा दिखा दिया है। चेकर्स में स्टारमर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने स्वीकार किया कि उन्होंने सोचा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाना सबसे आसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं है,हालांकि उन्होंने कहा कि वे अंततः इसे सुलझा लेंगे। अलास्का में पुतिन और ट्रम्प के बीच शिखर सम्मेलन के बावजूद, जिसमें अमेरिकी नेता ने रूसी राष्ट्रपति

से अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बातचीत करने का आग्रह किया था, शांति समझौता नहीं हो सका।ट्रंप ने कहा कि मुझे लगा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे आसान है, लेकिन पुतिन ने मुझे निराश किया है। मुझे लगा था कि यह सबसे आसान हो सकता है। जैसा कि आप जानते हैं, हम इजरायल और गाजा के समाधान के लिए काम कर रहे हैं, हम कई संघर्षों को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं, हम इजरायल-गाजा को सुलझा लेंगे, इसी तरह, रूस और यूक्रेन को भी सुलझा लेंगे, लेकिन युद्ध में क्या होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो, रूसी सैनिक यूक्रेनी सैनिकों की तुलना में ज्यादा संख्या में मारे जा रहे हैं। पदभार ग्रहण करने से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि वह एक दिन में मॉस्को और कीव के बीच युद्ध रोक देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि पुतिन ने 2022 में युद्ध इसलिए शुरू किया क्योंकि उस समय उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व का सम्मान नहीं किया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का एक्स अकाउंट हैक, पाक-तुर्की के झंडों वाले पोस्ट डाले, मचा हड़कंप

मुंबई ,23 सितंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट आज सुबह हैक कर लिया गया। हैकर्स ने अकाउंट से पाकिस्तान और तुर्की के झंडों वाले पोस्ट शेयर किए। कुछ समय बाद ये सभी पोस्ट डिलीट कर दिए गए। शिंदे के कार्यालय की ओर से बताया गया कि तकनीकी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अकाउंट को रिकवर कर लिया है। फिलहाल अकाउंट सामान्य रूप से काम कर रहा है।भारत में साइबर अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर साल देश को इससे हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। 2024 में वज़ीरएक्स क्रिप्टो एक्सचेंज से 230 मिलियन डॉलर की हैकिंग, बीएसएनएल का डेटा ब्रीच, और स्टार हेल्थ से 7.24 टीबी डेटा लीक जैसे बड़े मामले सामने आए हैं।इन साइबर हमलों का मुख्य निशाना टेलीकॉम, फाइनेंस, हेल्थकेयर और एनर्जी सेक्टर हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 2025 में एआई से चलने वाले स्कैम्स और रैनसमवेयर हमलों में और इजाफा हो सकता है। डिजिटल लेनदेन का बढ़ना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का गलत इस्तेमाल, और अंतरराष्ट्रीय तनाव (जैसे पाकिस्तान समर्थित साइबर ग्रुप्स) इन हमलों के मुख्य कारण हैं। साइबर अपराध से बचने के लिए जरूरी है कि लोग सतर्क रहें। किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें, और अगर धोखाधड़ी हो जाए तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या पर शिकायत दर्ज करें।सरकार ने और जैसी एजेंसियों के जरिए सुरक्षा कदम उठाए हैं, लेकिन जनता और खासकर नेताओं को खुद भी सतर्क रहना होगा। सोशल मीडिया अकाउंट्स की सुरक्षा अब एक गंभीर प्राथमिकता बन चुकी है। ये पहली बार नहीं है जब किसी राजनेता का सोशल मीडिया अकाउंट हैक हुआ हो। इससे पहले भी कई नेताओं के अकाउंट हैक किए जा चुके हैं। ऐसे में जरूरी है कि नेता और उनके आईटी टीमें डिजिटल सुरक्षा को लेकर नई रणनीति बनाएं।

सिर्फ 500 में, जैसा सर्टिफिकेट चाहिए वैसा देंगे... दिल्ली, हरियाणा यूपी, बंगाल में नेटवर्क, साइबर सेल ने 6 शातिरों को दबोचा

भागलपुर, 23 सितम्बर [एजेंसी]। देशभर में बड़े पैमाने पर फर्जी सर्टिफिकेट बनाकर बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का साइबर थाने की पुलिस टीम ने पर्दाफाश करने में सफलता पाई है। साइबर थाने की पुलिस टीम ने गिरोह के सरगना समेत गिरोह के छह शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। चंद्रलोक कांप्लेक्स के सोनू साइबर कैफे में किसी भी शैक्षणिक संस्था से जुड़े सर्टिफिकेट को कंप्यूटर-स्कैनर से हेराफेरी कर तैयार कर बेचने की जानकारी एसएसपी हृदय कांत को मिली थी।उक्त सूचना पर एसएसपी ने साइबर थाने के डीएसपी थानाध्यक्ष कनिष्क श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक टीम गठित कर दी। उक्त टीम ने सूझबूझ से काम लेते हुए अपनी तकनीकी टीम के ही चुनिंदा सदस्यों को सर्टिफिकेट का इच्छुक छात्र बना सर्टिफिकेट लेने भेजा। सोनू साइबर कैफे में बैठे शातिर ने 25 मिनट में सर्टिफिकेट तैयार कर दे दिया। सर्टिफिकेट के एवज में पांच सौ रुपये लिए।सादे लिबास में पहले से घात लगाए टीम के सदस्यों ने जैसे ही सर्टिफिकेट देने और पांच सौ रुपये लेने की कवायद इच्छुक छात्र बने पुलिसकर्मी और साइबर कैफे में बैठे शातिर ने पूरी की, टीम के सदस्यों ने शातिर को दबोच लिया। उस दौरान कैफे के अंदर मौजूद पांच अन्य सहयोगियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम ने सभी छह आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए कैफे में मौजूद छह सीपीयू, तीन लैपटाप, सात मानीटर और नकद 40700 रुपये जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में बबरगंज थानाक्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी सरगना मुहम्मद शाहनवाज उर्फ सोनू, हबीबपुर थानाक्षेत्र के चमेली चक निवासी मुहम्मद अकरम, बांका जिले के अमरपुर औरई गांव निवासी मनोहर मंडल, हबीबपुर के शाहजंगी निवासी मुहम्मद अमरुद्दीन, हबीबपुर के ही मोहिबअली चक निवासी मुहम्मद अमन और इशाकचक थानाक्षेत्र के इशाकचक निवासी मुहम्मद आफरीद शामिल हैं।छापेमारी करने वाली टीम में डीएसपी कनिष्क श्रीवास्तव के अलावा दारोगा शिव कुमार सुमन, इंस्पेक्टर राकेश कुमार, दारोगा, प्रशांत कुमार, अमित कुमार, संतोष कुमार, ऋतु कुमारी के अलावा कांस्टेबल मुहम्मद आसिफ, अशोक कुमार, सुभाष कुमार, विपिन कुमार, ओम कुमार और रवि कुमार शामिल थे।

अनुराग ठाकुर तिरपाल राजनीति में व्यस्त, सुमन भारती बोले-जनता के मुद्दे रह गए पीछे

हमीरपुर, 23 सितम्बर [एजेंसी]। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर अब तिरपाल की राजनीति में सक्रिय नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने कहा कि अनुराग ठाकुर जहां भी जाते हैं, वहां तिरपाल की गिनती में व्यस्त रहते हैं। भारती ने कहा कि अगर किसी को जनता की पीड़ा समझनी है, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह से सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री न केवल आपदा के समय हर पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं, बल्कि जिन लोगों के कच्चे घर गिर चुके हैं, उन्हें पक्का घर बनाने के लिए 7 लाख रुपये देने की घोषणा भी कर चुके हैं।भारती ने कहा कि जिस तरह जय राम ठाकुर ने अपने विधानसभा क्षेत्र सराज के लिए प्रधानमंत्री से अलग पैकेज की मांग की थी, उसी तरह अनुराग ठाकुर को धर्मपुर के लिए अलग पैकेज की मांग करनी चाहिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में इस आपदा से 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, लेकिन प्रधानमंत्री ने केवल 10 प्रतिशत यानी 1,500 करोड़ रुपये की घोषणा की। सुमन भारती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रमों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा के अलग-अलग गुटों ने अलग-अलग जगह कार्यक्रम आयोजित किए। हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र में सांसद अनुराग ठाकुर ने हवन यज्ञ किया, जबकि राज्यसभा सांसद ने दूसरी जगह कार्यक्रम किया। भारती ने कहा कि प्रदेश भाजपा अब धूमल गुट, नड्डा गुट, कांग्रेसी गुट और जयराम गुट में बंट चुकी है।

मुठभेड़ में ढेर बदमाश को विदेश से आता था पैसा, जांच में चौंकानेवाले खुलासेगाजियाबाद। ट्रानिका सिटी क्षेत्र में मुठभेड़ में मारे गए दो बदमाशों में से एक बदमाश रविंद्र को विदेश से फंडिंग होती थी। उसके खाते में विदेश से पैसा आता था। वह पैसे निकालने के लिए अपने गांव जाता था। वहीं पर ही उसका खाता है। बदमाश गोल्डी बराड़ गैंग के सदस्य थे। इस गैंग का सरगना विदेश में बैठा है।माना जा रहा है कि गिरोह का सरगना वारदात कराने के लिए पैसा भेजता था। हालांकि खातों की जांच के बाद ही विदेशी फंडिंग की तस्वीर साफ हो सकेगी। वहीं बदमाशों से तुर्किये में निर्मित जिगाना पिस्टल बरामद हुई है। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को मारने में भी जिगाना पिस्टल का प्रयोग किया गया था। जिगाना पिस्टल को उन्नत तकनीक के लिए जाना जाता है। बरेली में अभिनेत्री दिशा पटानी के घर पर फायरिंग कांड में भी जिगाना पिस्टल बरामद हुई। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पिस्टल नेपाल और पाकिस्तान के रास्ते बदमाशों तक पहुंच रही हैं। जिगाना पिस्टल सेमी-आटोमैटिक हथियार है। यह भारत में प्रतिबंधित है। ब्लैक में इसकी कीमत 10 रुपये तक है।सूत्रों के मुताबिक यह पिस्टल पाकिस्तान के दार्रा आदम खेल इलाके में अवैध रूप से बनाई जाती हैं। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब बार्डर पर पिस्टल गिराई जाती हैं। यह नौ एमएम कैलिबर की पिस्टल है। एक बार में 15 गोलियां फायर कर सकती है।इसका वजन 720-920 ग्राम है। यह पिस्टल जल्दी गर्म नहीं होती और फायरिंग बेहद स्मूथ रहती है। जबकि देसी पिस्टल पांच राउंड के बाद जाम हो जाती हैं। बिना किसी रुकावट के जिगाना पूरी मैगजीन खाली कर सकती है।पुलिस पंचानाम भरने के लिए बदमाशों के स्वजन का इंतजार करती रही। दोपहर के समय स्वजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरा। पंनामा को पुलिस लाइन भेजने के बाद शवों को पोस्टमार्टम करने के लिए रखा गया।मुठभेड़ में ढेर बदमाश को विदेश से आता था पैसा, जांच में चौंकानेवाले खुलासेगाजियाबाद। ट्रानिका सिटी क्षेत्र में मुठभेड़ में मारे गए दो बदमाशों में से एक बदमाश रविंद्र को विदेश से फंडिंग होती थी। उसके खाते में विदेश से पैसा आता था। वह पैसे निकालने के लिए अपने गांव जाता था। वहीं पर ही उसका खाता है। बदमाश गोल्डी बराड़ गैंग के सदस्य थे। इस गैंग का सरगना विदेश में बैठा है।माना जा रहा है कि गिरोह का सरगना वारदात कराने के लिए पैसा भेजता था। हालांकि खातों की जांच के बाद ही विदेशी फंडिंग की तस्वीर साफ हो सकेगी। वहीं बदमाशों से तुर्किये में निर्मित जिगाना पिस्टल बरामद हुई है। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को मारने में भी जिगाना पिस्टल का प्रयोग किया गया था। जिगाना पिस्टल को उन्नत तकनीक के लिए जाना जाता है। बरेली में अभिनेत्री दिशा पटानी के घर पर फायरिंग कांड में भी जिगाना पिस्टल बरामद हुई। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पिस्टल नेपाल और पाकिस्तान के रास्ते बदमाशों तक पहुंच रही हैं। जिगाना पिस्टल सेमी-आटोमैटिक हथियार है। यह भारत में प्रतिबंधित है। ब्लैक में इसकी कीमत 10 रुपये तक है।सूत्रों के मुताबिक यह पिस्टल पाकिस्तान के दार्रा आदम खेल इलाके में अवैध रूप से बनाई जाती हैं। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब बार्डर पर पिस्टल गिराई जाती हैं। यह नौ एमएम कैलिबर की पिस्टल है। एक बार में 15 गोलियां फायर कर सकती है।इसका वजन 720-920 ग्राम है।

पीएम मोदी मेरे अच्छे मित्र, लेकिन, रूसी तेल और पाकिस्तानी खेल के बीच अपना बचाव रह रहे ट्रंप

नई दिल्ली, 23 सितम्बर [एजेंसी]। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने वाले यूरोपीय देशों को सख्त फैसले लेने को कहा। इंग्लैंड दौरे पर ट्रंप ने पीएम कीएर स्टार्मर के साथ एक प्रेस कान्फ्रेंस में भारत का उदाहरण दिया। ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरे अच्छे मित्र हैं, मैंने उनको फोन पर जन्मदिन की बधाई दी, हमने बातचीत की। हमारे बीच अच्छे व्यक्तिगत संबंध भी हैं। वह बहुत शानदार काम कर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि लेकिन इन सबके बावजूद रूस से तेल खरीदने की वजह से हमें भारत पर टैरिफ लगाना पड़ा। हिसाब बिल्कुल सीधा है। तेल खरीद बंद होगी तो तेल की कीमतें गिरेंगी और पुतिन को यूक्रेन युद्ध से हतोत्साहित किया जा सकेगा। उनको युद्ध से हाथ खींचने पड़ेंगे। पुतिन के पास तब कोई

विकल्प नहीं बचेगा। पुतिन ने मुझे निराश किया है। ट्रंप ने कहा कि हमने देखा कि यूरोपीय देश भी रूस से तेल ही नहीं गैस भी खरीद रहे हैं। यूरोप भी मेरा मित्र है, लेकिन मैं नहीं चाहता कि वे रूस से कुछ भी खरीदें। वे जो प्रतिबंध रूस पर लगा रहे हैं, वो नाकाफी हैं। आपको भी हमारी ही तरह भारी टैरिफ लगाने जैसे सख्त फैसले लेने चाहिए। चीन भी रूस से तेल खरीद रहा था। देखिए, हमने चीन पर बड़ा टैरिफ लगाया। उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए कुछ और उपाय भी करने के लिए तैयार हैं, लेकिन तभी जब यूरोपीय देश भी साथ दें। अमेरिका का इसमें सीधा हित नहीं जुड़ा है, बल्कि आप लोग (यूके) इससे सीधे-सीधे जुड़े हुए हैं।इसी क्रम में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष को मिलाकर कुल सात युद्ध खत्म कराए हैं। हालांकि, भारत ने लगातार ट्रंप के दावे का खंडन किया है।अमेरिका- इंग्लैंड के बीच अहम समझौते न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिका और इंग्लैंड के बीच अहम समझौते हुए। दोनों देशों के बीच तकनीक साझेदारी का अहम समझौता हुआ, को लेकर निवेश और परमाणु ऊर्जा समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। दोनों देशों के बीच तकनीक साझेदारी बढ़ाने का समझौता हुआ, जिसमें एआई और अन्य हाईटेक इनोवेशन का नेतृत्व करेंगे। यूके में माइक्रोसॉफ्ट, ओपनएआई और ब्लैकस्टोन जैसी कंपनियां करीब 200 अरब डालर का निवेश करेंगी। ब्रिटेन में परमाणु रिएक्टर की संख्या बढ़ाने पर भी अमेरिका काम करेगा।रॉयटर के मुताबिक ट्रंप के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम स्टार्मर ने दिवंगत यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का जिक्र किए बगैर इंटरनेट मीडिया कंपनियों से बाल यौन शोषण और आत्महत्या जैसी सामग्री अपने प्लेटफार्म से हटाने को कहा। उन्होंने नए ऑनलाइन सेफ्टी कानून का उल्लेख करते हुए बताया कि ब्रिटेन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कड़ी सुरक्षा करता है, लेकिन जब बच्चों और कमजोर वर्ग को इसके जरिये नुकसान पहुंचाया जाता है तो सीमा पार हो जाती है। इस कानून के तहत इंटनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी सामग्री पाए जाने पर आपराधिक केस चलाया जाएगा। एएनआई के मुताबिक प्रेस कान्फ्रेंस में इजरायल-गाजा संघर्ष पर ट्रंप और स्टार्मर के बीच असहमति और तल्खी भी उभरकर सामने आई। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि इस मुद्दे पर उनकी स्टार्मर के साथ असहमति है, जिन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल ने युद्धविराम न किया तो ब्रिटेन फलस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता दे देगा। ट्रंप ने कहा कि मेरा मानना है कि सभी बंधक छोड़े जाने चाहिए।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून में अत्यधिक वर्षा से प्रभावित मसूरी रोड और किमारी क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए।

बहादुरगढ़ में फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा, अमेरिकी लोगों से करते थे ठगी, 18 शातिर गिरफ्तार

बहादुरगढ़ , 23 सितम्बर [एजेंसी]। झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में शातिर ठगों के एक गिरोह के 18 सदस्यों को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये अमेरिका के नागरिकों को कई तरह की सर्विस देने के नाम पर उनसे ऑनलाइन ठगी करते थे।बहादुरगढ़ के एक रिहायशी अपार्टमेंट में इन्होंने फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर बना रखा था। यहीं से ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपितों में से पांच को पुलिस ने रिमांड पर लिया है। आरोपितों में ज्यादातर दिल्ली के हैं। झज्जर की साइबर क्राइम पुलिस टीम ने ओमेक्स शुभांगन अपार्टमेंट के टावर नंबर-17 के फ्लैट नंबर 701 में छापेमारी की। साइबर थाना प्रबंधक सोमबीर के नेतृत्व में टीम ने फ्लैट का दरवाजा खटखटाया। जिसे एक युवक ने खोला। टीम अंदर पहुंची तो दो आरोपित सोफे पर बैठे इयरफोन लगा शार्क पीबीएक्स डीलर के नाम पर अंग्रेजी में बात कर रहे थे। अलग-अलग कमरों में दूसरे शातिर भी इसी तरह लैपटॉप पर हैडफोन लगा विदेशी नागरिकों से ठगी की कोशिश में जुटे थे। सभी को पुलिस ने काबू किया। दिल्ली के लाजपत नगर का नैफी अरसलान, दिल्ली के आंबेडकर नगर का फहाद खान, कर्मपुरा मोती नगर का राजू कनवाल, लक्ष्मी नगर का मयंक उर्फ एरीक, रोहिणी का पुलकित शर्मा, पश्चिमपुरी का पंकज चावला, पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर का राहुल चावला, किशनकुंज लक्ष्मीनगर का आशुतोष व भजनपुरा का सन्नी है। जबकि उत्तर प्रदेश के लखनऊ के इंद्रानगर का अभिनय राज, गाजीपुर के मोहम्दाबाद का मोहम्मद जोहेब, कानपुर के चटाई मुहल्ला का समार खान उर्फ समर, मुजफ्फरनगर के गढ़ी शेखावत का रमन, पंजाब के जीरकपुर के शिवालिक विहार का दमन चंद्रा, लुधियाना के हरचरणनगर का राजीव सोंकर, राजस्थान के जयपुर के बन्नी पार्क एरिया का चेतन सिंह, उत्तराखंड के उधम सिंह नगर के मुहल्ला पट्टी चौहान का गौरव कुमार और हरियाणा के गुरुग्राम के कुतुब एन्कलेव का ध्रुव मोंगरे शामिल हैं। इनमें से पुलिस ने नैफी अरसलान, फहाद खान, राजू कनवाल, मयंक उर्फ एरिक और पुलकित शर्मा को पांच दिन के रिमांड पर लिया है। बाकी 13 को जेल भेज दिया गया।

अमेरिका में किसी नागरिक को कोई तकनीकी सुविधा चाहिए होती थी तो वह गूगल पर कस्टमर केयर नंबर की तलाश करते थे। वहीं से कस्टमर केयर का नंबर लेकर जब कॉल की जाती तो वह कॉल इनके पास आती थी।फिर नागरिकों को ईमेल लॉगिन इश्यूज, पाप अप इश्यूज व नेटफ्लिक्स और अमेजान की कस्टमर सर्विस देने और डायग्नोस करने, तकनीकी सुविधा देने के नाम पर उनसे कई गुना ज्यादा चार्ज डालर में लेते थे। बाद में किसी प्रकार की सुविधा नहीं देते थे।किसी को एंटीवायरस लेना, सॉफ्टवेयर बेचना हो या फिर कोई सामान खराब हो गया उसको ठीक करवाना हो तो उसकी सुविधा मुहैया करवाने के नाम पर ठगी करते थे।पुलिस का कहना है कि गिरोह में करने वाले इन शातिरों को प्रतिमाह वेतन के तौर पर 40 से 50 हजार रुपये मिलते थे।रिमांड पर लिए आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। इनसे कई लैपटॉप बरामद किए गए हैं। आमजन से अपील है कि ऐसी ठगी से बचने के लिए गलत ग्राहक सेवा नंबरों से बचें। जालसाज अक्सर गूगल पर नकली ग्राहक सेवा नंबर देते हैं। किसी भी कंपनी के ग्राहक सेवा नंबर या सहायता के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। अगर इस प्रकार की ठगी हो जाती है तो पोर्टल या राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत कर सकते हैं।- डॉ. राजश्री सिंह, पुलिस कमिश्नर, झज्जरअमेरिका में किसी नागरिक को कोई तकनीकी सुविधा चाहिए होती थी तो वह गूगल पर कस्टमर केयर नंबर की तलाश करते थे। वहीं से कस्टमर केयर का नंबर लेकर जब कॉल की जाती तो वह कॉल इनके पास आती थी।फिर नागरिकों को ईमेल लॉगिन इश्यूज, पाप अप इश्यूज व नेटफ्लिक्स और अमेजान की कस्टमर सर्विस देने और डायग्नोस करने, तकनीकी सुविधा देने के नाम पर उनसे कई गुना ज्यादा चार्ज डालर में लेते थे। वहीं से कस्टमर केयर का नंबर लेकर जब कॉल की जाती तो वह कॉल इनके पास आती थी।फिर नागरिकों को ईमेल लॉगिन इश्यूज, पाप अप इश्यूज व नेटफ्लिक्स और अमेजान की कस्टमर सर्विस देने और डायग्नोस करने, तकनीकी सुविधा देने के नाम पर उनसे कई गुना ज्यादा चार्ज डालर में लेते थे।

पाक की नापाक हरकत, फिर किया सीजफायर का उल्लंघन, एलओसी पर 40 मिनट तक अंधाधुंध फायरिंग, सेना ने दिया करारा जवाब

श्रीनगर ,23 सितंबर (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार शाम उत्तरी कश्मीर के नौगाम सेक्टर (कुपवाड़ा) में बिना उकसावे के सीजफायर उल्लंघन करते हुए गोलाबारी की। यह घटना भारत-सऊदी अरब रक्षा समझौते के ठीक एक दिन बाद हुई। भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और दुश्मन की एक निगरानी चौकी को भारी नुकसान पहुंचाया।सूत्रों के अनुसार, शाम करीब साढ़े पांच बजे पाकिस्तान की ओर से नौगाम सेक्टर के तूतमार गली इलाके में भारतीय चौकियों पर गोलीबारी की गई। शुरू में भारतीय सेना ने संयम बरता, लेकिन जब गोलाबारी तेज हो गई तो जवाबी कार्रवाई की गई।

दोनों ओर से करीब 40 मिनट तक भीषण फायरिंग होती रही। इसके बाद रात साढ़े नौ बजे पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर से गोलाबारी की, जिसका भारतीय जवानों ने सख्त जवाब दिया।बताया जा रहा है कि इस दौरान पाकिस्तान की एक चौकी को गंभीर नुकसान पहुंचा। एलओसी के पार इस क्षेत्र को लीपा घाटी कहा जाता है।

इससे पहले, शुक्रवार देर शाम से उधमपुर जिले के सियोजधार के जंगल में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस दौरान सेना के लांस दफादार बलदेव चंद (निवासी बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश) वीरगति को प्राप्त हो गए।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, चोर सहित खरीदार पकड़ाए

रायपुर,23 सितबंर (एजेंसी) राजधानी रायपुर की थाना कबीर नगर पुलिस ने चोरी की ट्रैक्टर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार चंद्रकेश सिंह पिता शिवपूजन सिंह उम्र 49 वर्ष निवासी राम जानकी मंदिर के पास वीर सावरकर नगर हीरापुर रायपुर ने कबीर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दिनांक 14. 09.2025 को शाम 6 बजे अपना स्वराज 735 कंपनी का ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 04 पीसी-5068 ट्रॉली सहित को ड्राइवर रमेश पटेल प्रतिदिन की तरह अजय सोनकर के घर तार फे निशिंग के अंदर खड़ी कर गेट का ताला लगाकर चला गया था तथा दिनांक 15.09.25 के सुबह करीबन 7 बजे अजय सोनकर फ ोन कर बताया कि ट्रैक्टर वहां नहीं है और गेट का ताला टूटा हुआ है। ट्रैक्टर को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाने में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना कबीर नगर पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी लगातार अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर चिन्हांकित करने के प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मुकेश साहू नामक व्यक्ति चोरी का ट्रैक्टर को वेदांत वाटिका तरफ लेकर जा रहा है। सूचना पर पुलिस स्टाफ ने आरोपी मुकेश साहू को तलाश कर घेराबंदी कर पकड़ा। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मुकेश साहू से घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने उक्त ट्रैक्टर सहित अलग-अलग स्थानों से 04 नग ट्रैक्टर एवं 07 नग मोटर साइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की। जिसमें से 03 ट्रैक्टर एवं 04 मोटरसाइकिल को कुम्हारी के हरजीत सिंह उर्फ रिंकू को विक्रय करना बताया एवं एक नग ट्रैक्टर को वेदांत वाटिका तथा 03 नग मोटरसाइकिल अपने घर में छुपा कर रखना बताया। जिसे आरोपी मुकेश साहू की निशानदेही पर जप्त किया गया एवं आरोपी हरजीत सिंह उर्फ रिंकू का पता तलाश कर आरोपी रिंकू को पकड़कर उससे 3 नग ट्रैक्टर एवं 4 मोटर साइकिल जप्त किया गया। मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया।

पुलिस ने मुकेश साहू पिता दीपक साहू उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम खपराडीह थाना भाटापारा ग्रामीण जिला बलौदा बाजार हाल पता हीरापुर सरकारी स्कूल के पीछे राम मंदिर के पास किराए का मकान थाना कबीर नगर रायपुर तथा हरजीत सिंह उर्फ रिंकू पिता गुरमेल सिंह उम्र 42 साल निवासी तांडीउड़मुड़ थाना टांडा जिला होशियारपुर पंजाब हाल पता खारून ग्रीन कॉलोनी मकान नंबर 51 कुम्हारी थाना कुम्हारी जिला दुर्ग छग को गिरफ्तार किया है। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी लगातार अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर चिन्हांकित करने के प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मुकेश साहू नामक व्यक्ति चोरी का ट्रैक्टर को वेदांत वाटिका तरफ लेकर जा रहा है। सूचना पर पुलिस स्टाफ ने आरोपी मुकेश साहू को तलाश कर घेराबंदी कर पकड़ा। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मुकेश साहू से घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने उक्त ट्रैक्टर सहित अलग-अलग स्थानों से 04 नग ट्रैक्टर एवं 07 नग मोटर साइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की। जिसमें से 03 ट्रैक्टर एवं 04 मोटरसाइकिल को कुम्हारी के हरजीत सिंह उर्फ रिंकू को विक्रय करना बताया एवं एक नग ट्रैक्टर को वेदांत वाटिका तथा 03 नग मोटरसाइकिल अपने घर में छुपा कर रखना बताया। जिसे आरोपी मुकेश साहू की निशानदेही पर जप्त किया गया एवं आरोपी हरजीत सिंह उर्फ रिंकू का पता तलाश कर आरोपी रिंकू को पकड़कर उससे 3 नग ट्रैक्टर एवं 4 मोटर साइकिल जप्त किया गया। मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया।पुलिस ने मुकेश साहू पिता दीपक साहू उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम खपराडीह थाना भाटापारा ग्रामीण जिला बलौदा बाजार हाल पता हीरापुर सरकारी स्कूल के पीछे राम मंदिर के पास किराए का मकान थाना कबीर नगर रायपुर तथा हरजीत सिंह उर्फ रिंकू पिता गुरमेल सिंह उम्र 42 साल निवासी तांडीउड़मुड़ थाना टांडा जिला होशियारपुर पंजाब हाल पता खारून ग्रीन कॉलोनी मकान नंबर 51 कुम्हारी थाना कुम्हारी जिला दुर्ग छग को गिरफ्तार किया है।

हाईकोर्ट के निर्देश पर सड़कों पर बैठने वाले आवारा पशुओं को धरपकड़ कर गौठानों में भेजा गया

रायपुर, 23 सितबंर (एजेंसी)। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशो के अनुरूप नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी 10 जोनों के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा प्रतिदिन नियमित अभियान चलाकर सभी जोन क्षेत्रों के भिन्न वार्डों के विभिन्न मुख्य मार्गों में मानिटरिंग करके सड़को पर आवारा पशुओं की धरपकड़ कर उन्हें गौठानों में काउकेचर वाहन से भेजे जाने की कार्यवाही तेज गति से सतत निरंतर प्रगति पर है।

इस क्रम में आज दिनांक 16 सितम्बर 2025 को नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा 45 आवारा पशुओं की विभिन्न सड़क मार्गो से धरपकड़ कर उन्हें काऊकैचर वाहन की सहायता से गौठानों में भेजा गया। धरपकड़ अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा सभी 10 जोनो के विभिन्न मुख्य मार्गो में सघन अभियान चलाकर राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में विगत 45 दिनों में विभिन्न मुख्य सड़क मार्गो से 2161 आवारा पशुओं की धरपकड़ कर उन्हें गौठानों में भेजा गया है। यहां उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन सतत चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान की नियमित मॉनिटरिंग महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय और स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रीति सिह द्वारा की जा रही है और सभी 10 जोनों के जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर आवारा पशुओं को काऊकैचर वाहनों की सहायता से गौठानों में भिजवाने की व्यवस्था दी जा रही है. धरपकड़ अभियान सतत जारी है।

ट्रक ने 8 गायों को रौंदा, गौ सेवकों का उग्र प्रदर्शन, चक्काजाम

बिलासपुर, 23 सितम्बर (एजेंसी)। शासन की सख्त कोशिशों और सुरक्षा के दावों के बावजूद सड़क पर मवेशियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार की रात तेज रफ्तार ट्रक ने बिलासपुर-कोरबा हाईवे पर मवेशियों के झुंड को बेरहमी से कुचल डाला। इस दर्दनाक हादसे में 8 गायों की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। सबसे भयावह दृश्य तब सामने आया जब एक गर्भवती गाय का पेट फट गया और उसका बछड़ा बाहर निकल आया — दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।घटना कोनी थाना क्षेत्र के ग्राम गतौरी स्थित सीमा फ्यूल्स के पास रतनपुर रोड पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक चालक इतनी तेज और लापरवाही से वाहन चला रहा था कि मवेशियों को कुचलते हुए निकल गया। हादसे के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही गौ सेवक मौके पर पहुंचे और शव देखकर उग्र हो गए। उन्होंने सड़क पर चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाइश दी, तब जाकर मामला शांत हुआ। लेकिन गौ सेवकों ने स्पष्ट कहा कि प्रशासन की उदासीनता और लापरवाही के चलते लगातार ऐसे हादसे हो रहे हैं। उनके मुताबिक, हाईवे पर मवेशियों की आवाजाही रोकने के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं और न ही कोई प्रभावी निगरानी तंत्र है। शासन द्वारा मवेशियों को बचाने के लिए योजनाएं तो बनाई जा रही हैं, लेकिन जमीन पर उनका असर नहीं दिख रहा। लगातार हो रही मौतें प्रशासन की विफलता का प्रमाण हैं। गौ सेवकों ने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और मवेशियों के संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की है।

टैक्स नहीं भरने वालों पर कार्रवाई, कारोबारियों पर कसा शिकंजा

रायपुर, 23 सितंबर (एजेंसी)। रायपुर , जीएसटी की वसूली के लिए राज्य शासन की कार्रवाई लगातार जारी है। बकायेदार कारोबारियों के खातों को फ्रीज किया जा रहा है। स्टेट जीएसटी को राज्यभर के व्यापारियों से 2300 करोड़ से ज्यादा टैक्स वसूल करना है। इसके लिए विभाग की ओर से लगातार पिछले पांच साल से नोटिस जारी किए जा रहे हैं। लेकिन कारोबारी पुराने टैक्स को अदा ही नहीं कर रहे हैं। दरअसल, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि जो टैक्स सरकार को मिलना है, उसकी वसूली में इतनी ढिलाई क्यों बरती जा रही है। कारोबारियों को यह टैक्स देना ही है। कैग की नाराजगी के बाद ही विभाग के अफसर हरकत में आए। सबसे पहले पिछले पांच साल के बकायादारों की सूची तैयार की गई। इनकी संख्या 25 हजार से भी ज्यादा है। इनमें कई ऐसे हैं जिन पर 5 से 10 करोड़ तक का टैक्स बकाया है। ऐसे व्यापारी पिछला टैक्स का भुगतान नहीं कर रहे हैं और कारोबार भी कर रहे हैं। बैंक वालों को बल्क में बकाया टैक्स का नोटिस भेजा जा रहा है। नोटिस के साथ ही कहा जा रहा है? कि कारोबारी या फर्म जब तक बकाया टैक्स न चुका दें, तब तब उनके बैंक खाते को होल्ड रखा जाए।

शराब के नशे में पिता ने की 2 साल के बेटे की हत्या, परिवार में मातम

अंबिकापुर,23 सितंबर (एजेंसी)छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में शराब के नशे में एक व्यक्ति ने अपने दो साल के मासूम बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी है। यह दिल दहला देने वाली घटना अंबिकापुर के दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम करजी में हुई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। आरोपी पिता, जुगलाल सिंह, ने अपने ही बच्चे, हर्षित, को जमीन पर पटक-पटक कर मार डाला। यह घटना तब हुई जब बच्चे की मां, विनीता सिंह, अपने मायके में थीं। विनीता और जुगलाल की शादी 2022 में हुई थी, लेकिन जुगलाल की शराब की लत के कारण आए दिन घर में झगड़े होते थे। परेशान होकर विनीता पिछले एक साल से अपने बेटे के साथ मैनपाट के रोपाखार में अपने मायके में रह रही थीं। हत्या से ठीक पहले, आरोपी जुगलाल ने अपनी पत्नी को फोन करके धमकी दी थी कि वह उनके बेटे को मार रहा है। यह सुनकर विनीता सदमे में आ गईं और तुरंत ससुराल के लिए निकलने लगीं। इसी दौरान उन्हें एक और कॉल आया, जिसमें उन्हें बताया गया कि उनके बेटे की मौत हो गई है। जब वह पहुंचीं, तो पता चला कि उसके पिता ने ही उसे बेरहमी से मार डाला है। घटना के बाद, मासूम हर्षित को मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे की मां का रो-रोकर बुरा हाल है और वह अपने बेटे के लिए न्याय की गुहार लगा रही हैं। पुलिस ने आरोपी जुगलाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। यह दुखद घटना दिखाती है कि कैसे नशे की लत न सिर्फ रिश्तों को खत्म करती है, बल्कि निर्दोष जिंदगियों को भी

यातायात नियम तोड़ने वालों की अब खैर नहीं, शुरू हुई कार्रवाई

नियम तोड़ने वाले लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त

रायपुर, 23 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर में यातायात नियमों को सख्ती से लागू किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इतना ही नहीं नशा करके गाड़ी चलाने वालों पर भी यातायात पुलिस ने अब धर-पकड़ तेज कर दी है। इसी क्रम में रायपुर में नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफपुलिस चेकिंग अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई कर रही है.। बीते 15 दिनों में राजधानी के भिन्न इलाकों में कार्रवाई कर लोगों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। बता दें कि अभियान मुख्य रूप से त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए अपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफसख्त अभियान लगातार जारी है. अब बार-बार नियम तोड़ने वाले चालकों का लाइसेंस अब ऑटोमेटिक रूप से निरस्त कर दिया जाएगा। यातायात व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए शहरभर में लगाए गए 550 से ज्यादा आईटीएमएस कैमरों से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है.यातायात पुलिस के अनुसार राजधानी के मुख्य मार्गों विशेषकर डेंजर जोन इलाकों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से रायपुर के पौश और घने यातायात वाले इलाकों वीआईपी रोड, घड़ी चौक, टाटीबंध और भाठागांव सहित अन्य स्थानों पर बेरिकेडिंग कर रात 11 से 2 बजे तक चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 91 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। रायपुर एसएसपी ने बताया कि वर्ष 2025 में 15 सितंबर तक रायपुर जिले में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले कुल 1277 वाहन चालकों को विरुद्ध मोटर यान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण के 532 वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी की गई.। विगत 15 दिनों के भीतर ड्रंक एंड ड्राइव पर विशेष अभियान कार्रवाई के दौरान 91 वाहन चालक पकड़े गये

नारायणपुर में नक्सलियों को बड़ा झटका, 12 माओवादियों का आत्मसमर्पण

नारायणपुर, 23 सितम्बर (एजेंसी)। नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों के लगातार और प्रभावी अभियानों के कारण नक्सली संगठन कमजोर हो रहा है। पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है, जहाँ पाँच महिलाओं समेत कुल 12 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन सभी पर कुल 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह आत्मसमर्पण मुख्य रूप से अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा नए कैंप स्थापित करने और लगातार चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों का परिणाम है। इन अभियानों के दबाव में आकर माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया।इस दौरान बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) और आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। यह घटना दर्शाती है कि सुरक्षा बलों की रणनीति कारगर साबित हो रही है, जिससे नक्सली संगठन लगातार कमजोर पड़ रहा है और मुख्यधारा में लौट रहे हैं।इस दौरान बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) और आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

चॉकलेट का लालच देकर बच्ची से दरिंदगी, आरोपी को उम्रकैद

खैरागढ़, 23 सितम्बर (एजेंसी)। खैरागढ़ के विशेष पॉक्सो अदालत ने एक 5 साल की बच्ची के साथ जघन्य अपराध करने वाले संजय गोस्वामी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे अपराध करने वालों के लिए एक कड़ी चेतावनी है। यह दिल दहला देने वाली घटना 2023 में खैरागढ़ जिले के गंडई थाना क्षेत्र में हुई थी। आरोपी संजय गोस्वामी, जो पेशे से एक दुकानदार था, ने पहले आस-पड़ोस के बच्चों से अच्छी जान-पहचान बनाई। एक दिन उसने पास में रहने वाली 5 साल की मासूम बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया और बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। वह बच्ची को एक सुनसान ईंट भट्ठे में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ घिनौनी हरकत की। अपनी हैवानियत को अंजाम देने के बाद, उसने बच्ची को जान से मारने की धमकी दी, ताकि वह किसी को कुछ न बताए। डरी हुई बच्ची घर लौटी, लेकिन उसकी आंखों में डर और उदासी देखकर उसके माता-पिता समझ गए कि कुछ गलत हुआ है। बच्ची ने हिम्मत करके अपने परिवार को सारी बात बताई, जिसके बाद तुरंत गंडई थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी संजय गोस्वामी को गिरफ्तार किया और मामला विशेष पॉक्सो अदालत में चला। सुनवाई के दौरान, अदालत को आरोपी के खिलाफ इतने पुख्ता सबूत मिले कि उसे दोषी करार दिया गया। विशेष अपर सत्र न्यायाधीश मोहिनी कंवर की अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस तरह के जघन्य अपराधों के लिए समाज में कोई जगह नहीं है। अदालत ने आरोपी संजय गोस्वामी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत दोषी मानते हुए, उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह फैसला एक सख्त संदेश है कि कानून के शिकंजे से कोई भी बच नहीं पाएगा जो मासूमों के बचपन को रौंदने की कोशिश करेगा।0

दो साल के मासूम को पिता ने पटक-पटककर मार डाला

अंबिकापुर,23 सितबंर (एजेंसी) जिले की दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम करजी में एक कलयुगी पिता ने अपने दो साल के बेटे को बेहरमी से पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल मासूम को तत्काल मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय पहुंचाय गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम करजी निवासी जुगलाल सिंह ने अपनी पत्नी विनीता सिंह को फ ोन बताया कि तेरे बेटे हर्षित को मौत के घाट उतार रहा हूं। जिसे सुनकर विनीता सदमे में आ गई और हड़बड़ाकर मायके से ससुराल आने की तैयारी कर ही रही थी कि उसी दौरान एक और कॉल आया और बताया गया कि उनका बेटा हर्षित की मौत हो गई है उसे उसके पिता ने उसकी हत्या कर दी।

बताया जाता है कि विनीता सिंह और जुगलाल सिंह की साल 2022 में शादी हुई थी। कुछ दिन ठीक चला फिर शराब पीकर आए दिन मारपीट करना शुरु कर दिया था। जिसके बाद बेटे हर्षित को लेकर मायके चली गई। वह एक साल से अपने मायके मैनपाट के रोपाखार में रह रही थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर, 23 सितम्बर (एजेंसी)। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार आवास पारा ग्राम गिरौद निवासी सुरेश कुमार 23 वर्ष ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 11 बीएम 9479 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 50 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में ज्योतिनगर मठपुरैना निवासी हेमचंद देवांगन 31 वर्ष ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एनटी 5204 को कृष्णा नगर ग्लोरियल स्कूल के पास खड़ी किया था।

हेरोइन सप्लाई नेटवर्क का हिस्ट्रीशीटर पेडलर गिरफ्तार

रायपुर, 23 सितम्बर (एजेंसी)। थाना टिकरापारा में पंजीबद्ध नारकोटिक एक्ट के हाई-प्रोफाइल मामले में एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने हेरोइन (चिट्टा) के स्थानीय सप्लाई नेटवर्क से जुड़े कुख्यात पेडलर और थाना टिकरापारा के हिस्ट्रीशीटर शेख साहिल उर्फकोंदा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा, हेरोइन सप्लाई में उपयोग किया गया मोबाइल फोन, और बैंक ऑफबड़ौदा का पासबुक बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट भी जोड़ी गई है।

इस प्रकरण में अब तक कुल 25 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिसमें पंजाब के अंतर्राज्यीय तस्कर से लेकर स्थानीय ड्रग डीलर तक शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 412.87 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), कई मोबाइल फोन, चारपहिया वाहन, तौल मशीन, सिल्वर रोल पेपर, नशे के उपयोग में जला हुआ नोट, एटीएम कार्ड, और चेकबुक जब्त किए हैं। जब्त की गई हेरोइन की खुदरा कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपी शेख साहिल उर्फ कोंदा थाना टिकरापारा का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, छेड़छाड़, आर्म्स एक्ट जैसे छह से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस द्वारा किए गए तकनीकी विश्लेषण और पूर्व में पकड़े गए आरोपियों से मिली जानकारियों के आधार पर साहिल को चिन्हांकित कर ट्रैक किया गया। इस कार्रवाई में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने पुलिस महानिरीक्षक श्री अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में अभियान चलाया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अंतर्राज्यीय व स्थानीय ड्रग सप्लायरों के गठजोड़ को तोड़ने की इस मुहिम के तहत लगातार कार्रवाई जारी है। फिलहाल प्रकरण में धारा 21सी, 27, 27(क), 29 नारकोटिक एक्ट, 111 बी.एन.एस., और 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क में संलिप्त अन्य आरोपियों की पतासाजी में जुटी हुई है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. टुड्डी पर के बाल, टुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

नकवी की नाक बचाने के लिए और कितने बहाने बनाएगा पाकिस्तान?आईसीसी ने फिर खोली पीसीबी की पोल

दुबई,23 सितंबर (एजेंसी)। इस विवाद में अब एक तरफ पीसीबी के झूठे दावे हैं तो दूसरी तरफ आईसीसी का क्लीन चिट। फिलहाल मामला और उलझता दिख रहा है क्योंकि पाकिस्तान इसे कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन बता रहा है जबकि आईसीसी इसे सिर्फ मिसकम्युनिकेशन मान रहा है। एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान हुए हैंडशेक विवाद पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बड़ा दावा किया है। पीसीबी का कहना है कि आईसीसी के विवादास्पद मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी टीम मैनेजमेंट और कप्तान से माफी मांगी है। इसके साथ ही पीसीबी ने यह भी कहा कि आईसीसी मामले की जांच के लिए तैयार है। हालांकि, अब आईसीसी ने पीसीबी के इन दावों की फिर से पोल खोल दी है। आईसीसी ने पीसीबी के इन दावों पर करारा जवाब दिया है।मैच से पहले पाकिस्तान की नौटंकीबुधवार को पाकिस्तान टीम ने यूएई के खिलाफ मुकाबले के लिए होटल से स्टेडियम जाने में देरी की। टीम का विरोध इस बात को लेकर था कि आईसीसी ने पायक्रॉफ्ट को हटाने से इनकार कर दिया था। इससे उनकी दोहरी फजीहत हो गई थी। टीम स्टेडियम पहुंची, लेकिन देरी से और फिर मैच भी खेला। पीसीबी ने पायक्रॉफ्ट को एशिया कप से बाहर करने की मांग की थी, फिर उसने पाकिस्तान-यूएई मैच से उन्हें हटाने की मांग की, लेकिन आईसीसी ने दोनों मांगें ठुकरा दीं। पाकिस्तान ने फिर टूर्नामेंट से नाम वापस लेने की गीदड़भभकी भी दी थी, लेकिन पैसे के दबाव में ऐसा नहीं कर पाया। हालांकि, तमाम नौटंकी के बाद एक माफी से पीसीबी का काम चल गया।पीसीबी ने बुधवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर बयान जारी करते हुए लिखा, आईसीसी के विवादास्पद मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी है। पायक्रॉफ्ट ने 14 सितंबर को हुए भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों को हैंडशेक से रोका था। पायक्रॉफ्ट ने भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों को हाथ मिलाने से मना किया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पायक्रॉफ्ट की हरकत पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कोड ऑफ कंडक्ट जांच का दावापीसीबी ने अपने बयान में यह भी दावा किया कि आईसीसी इस मामले में जांच करने को तैयार है। पीसीबी ने कहा, आईसीसी ने 14 सितंबर के मैच के दौरान हुए कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन की जांच करने की सहमति जताई है। पहलगाम हमले के पीड़ितों के लिए एकजुटताभारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि हैंडशेक से परहेज का फैसला पूरी टीम का था। उन्होंने कहा था, %यह कदम पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उठाया गया था।

इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी।आईसीसी ने खोली पीसीबी की पोलआईसीसी ने अब पायक्रॉफ्ट का बचाव करने के साथ-साथ पीसीबी के दोनों दावों की पोल खोली है। आईसीसी के एक विश्वसनीय सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा, माफी सिर्फ गलतफहमी के लिए थी। पायक्रॉफ्ट ने जो भी किया, वह नियमों के मुताबिक था। सूत्र ने यह भी साफ किया कि आईसीसी तभी जांच शुरू करेगा जब पीसीबी ठोस सबूत पेश करेगा। उन्होंने कहा, और आईसीसी तभी अपनी जांच शुरू करेगा जब पीसीबी यह सबूत देगा कि पायक्रॉफ्ट की गलती क्या थी।

मक्खन लगाया जाता था, धोनी-पठान हुक्का विवाद में कूदे मनोज तिवारी, खोले कई नए राज

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसी)। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी के कथित हुक्का सेशंस को लेकर बड़ा बयान दिया है। आइए जानते हैं कि तिवारी ने क्या खुलासा किया है...भारतीय क्रिकेट में टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम कल्चर को लेकर एक बार फिर से पुराना विवाद ताजा हो गया है। हाल ही में पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का एक पुराना बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि वह धोनी के कमरे में जाकर हुक्का नहीं लगाते थे और इस वजह से उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी के कथित हुक्का सेशंस को लेकर बड़ा बयान दिया है। तिवारी ने भी खुलासा किया है कि उस दौर में कुछ खिलाड़ी धोनी के करीब होने के लिए उनके कमरे में होने वाले हुक्का सेशंस में शामिल होते थे।मनोज तिवारी ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बातचीत में कहा, हमने खुद नजदीक से ये सब देखा है। ऐसे सेशंस होते थे जहां हुक्का लिया जाता था और वहां कुछ खिलाड़ी ही होते थे जो कप्तान के करीब थे। उस समय कुछ खिलाड़ी इतने स्मार्ट थे कि वे कप्तान को मक्खन लगाते थे ताकि कप्तान से मदद मिल सके।तिवारी ने साफ किया कि यह किसी पर थोपे जाने वाली चीज नहीं थी। तिवारी ने कहा, यह जरूरी नहीं था कि हर कोई वहां जाए। सिर्फ वही खिलाड़ी वहां जाते थे जिन्हें पता होता था कि कमरा हुक्के के लिए खुला है।तिवारी ने कहा कि धोनी का दरवाजा हमेशा सबके लिए खुला रहता था लेकिन ज्यादातर वही खिलाड़ी वहां जाते थे जो उनके करीब होते थे। तिवारी ने कहा, जो खिलाड़ी कप्तान के करीबी थे या समझदार थे, वही जानते थे कि दरवाजा सबके लिए खुला है।इरफान पठान के बयान के बाद बढ़ा मामलातिवारी का यह बयान उसी विवाद को हवा दे रहा है जो हाल ही में इरफान पठान ने उठाया था। पठान ने पांच साल पहले टीम इंडिया के हुक्का कल्चर का जिक्र करते हुए कहा था कि %मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो किसी के कमरे में हुक्का लगाकर उसे खुश करने जाए।पठान ने हुक्का को लेकर कही थी यह बातपठान ने 2012 में टीम से बाहर होने के लिए धोनी का नाम लिए बिना उन्हें जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था, मुझे किसी के कमरे में हुक्का लगाने या बेवजह बातें करने की आदत नहीं है। सब जानते हैं। कई बार चुप रहना बेहतर होता है। मेरा काम मैदान पर प्रदर्शन करना था और मैंने वही किया। पठान ने 2012 में आखिरी बार भारत के लिए खेला था। उस मैच में उन्होंने पांच विकेट भी लिए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। लंबे समय से यह सवाल उठता रहा है कि आखिर उन्हें बाहर क्यों किया गया।

हाथ मिलाने पर नहीं, क्रिकेट पर ध्यान दें, हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

दुबई ,23 सितंबर (एजेंसी)। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें ।एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई ।इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें ।यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना ।टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन

भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा ।कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, %भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी ।ग्रुप स्टेज में भारत का दबदबाभारत ने एशिया कप में अब तक खेले गए दोनों मैचों में जीत दर्ज की है। टीम ने पहले यूएई को नौ विकेट से हराया और फिर पाकिस्तान को सात विकेट से मात दी। दोनों ही मैचों में भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की है। भारत अब अपने ग्रुप का अंतिम मुकाबला शुक्रवार को ओमान के खिलाफ दुबई में खेलेगा। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें ।यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था।

व्यापार

अमेरिकी फेड रिजर्व ने ब्याज दरें घटाई, सोने में आएगा उछाल, भारत पर भी असर संभव

वाशिंगटन ,23 सितंबर(एजेंसी)। फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने ब्याज दरों की घोषणा करते हुए कहा कि देश में रोजगार का हाल चिंताजनक है। हाल के महीनों में नई भर्तियां लगभग थम गई हैं और बेरोजगारी दर में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। ऐसे में ब्याज दर घटने से होम लोन, कार लोन और बिज़नेस लोन सस्ते हो जाएंगे।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने करीब एक साल बाद ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट यानी 0.25 फीसदी की कटौती की है। नौकरी के बाजार में कमजोरी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार दबाव के बाद ब्याज दरों में कटौती की गई है। केंद्रीय बैंक ने दिसंबर 2024 के बाद पहली बार दरों में कटौती की है। इस कटौती के बाद ब्याज दरें घटकर 4 फीसदी से 4.25 फीसदी हो गई हैं। पहले ये दरें 4.25 से 4.50 फीसदी थीं। इसके साथ ही फेड ने संकेत दिया है कि वह इस साल दो और बार कटौती कर सकता है।

रोजगार पर मंडराते बादल

फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने ब्याज दरों की घोषणा करते हुए कहा कि देश में रोजगार का हाल चिंताजनक है। हाल के महीनों में नई भर्तियां लगभग थम गई हैं और बेरोजगारी दर में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। ऐसे में ब्याज दर घटने से होम लोन, कार लोन और बिज़नेस लोन सस्ते हो जाएंगे। उम्मीद है कि इससे खर्च और निवेश बढ़ेगा तथा रोजगार में सुधार होगा।

बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत हुई

मुद्रास्फीति में वृद्धि के बावजूद, हालिया सरकारी रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि हाल के महीनों में नियुक्तियों में तेजी से

कमी आई है और यह पिछले साल के अनुमान से भी कम रही है। अगस्त में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अभी भी न्यूनतम स्तर पर है। और पिछले हफ्ते साप्ताहिक बेरोजगारी दावों में तेजी से वृद्धि हुई। यह इस बात का संकेत है कि छंटनी बढ़ सकती है।

फेड रोजगार को लेकर ज्यादा चिंतित

आमतौर पर, जब बेरोजगारी बढ़ती है, तो फेड अपनी मुख्य ब्याज दरों में कटौती करता है ताकि ज्यादा खर्च और विकास को बढ़ावा मिले। लेकिन बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच, फेड इसके उलट ब्याज दरों में बढ़ोतरी करता है या कम से कम उन्हें अपरिवर्तित रखता है। पिछले महीने, अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने संकेत दिया था कि फेड के अधिकारी रोजगार को लेकर ज्यादा चिंतित हैं, और अगले हफ्ते होने वाली अपनी बैठक में वे ब्याज दरों में कटौती कर सकते हैं। फिर भी, लगातार बढ़ती मुद्रास्फीति फेड को बहुत जल्दी ब्याज दरों में कटौती करने से रोक सकती है।सोने की कीमत में उछाल आने की संभावना

इस कटौती से भारत सहित दुनिया भर के बाजार प्रभावित हो सकते हैं। ब्याज दरों में कटौती से कारोबारी और अन्य ऋण सस्ता होगा। इससे बचत खातों पर जरूर लोगों को कम ब्याज मिलेगा। ब्याज दरों में कटौती का सीधा लाभ सोने को होगा। सुरक्षित निवेश के कारण लोग बेहतर रिटर्न के लिए सोने में निवेश बढ़ा सकते हैं। इससे सोने की कीमत में उछाल आ सकता है। अमेरिका में इस बदलाव का असर भारतीय रिजर्व बैंक पर भी पड़ने की संभावना है। आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इससे पहले महंगाई पर काबू पाने के लिए फेड रिजर्व ने मार्च 2022 से जुलाई 2023 के बीच 11 बार ब्याज दरों में इजाफा किया था। नए आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है, जितना पहले सोचा जा रहा था।

मेकमाईट्रिप ने शुरू की फूड ऑन ट्रेन सुविधा, जोमैटो से मिलाया हाथ

नईदिल्ली,23 सितंबर (एजेंसी)। ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग कंपनी मेकमाईट्रिप ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के साथ साझेदारी करते हुए रेल यात्रियों के लिए सीट पर ही भोजन पहुंचाने के लिए फूड ऑन ट्रेन सुविधा शुरू की है। इसके तहत रेल यात्रियों को 130 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों पर 40,000 से ज्यादा रेस्टोरेंट से खाना उपलब्ध कराया जा सकेगा। यह साझेदारी रेल यात्रा के दौरान गुणवत्तापूर्ण भोजन की बढ़ती मांग को पूरा करने के प्रयास के तहत की गई है। फूड ऑन ट्रेन सर्विस में नाश्ता, दोपहर का भोजन, रात का खाना और स्नैक्स शामिल हैं। यह डिलीवरी का सही समय बताने के लिए मेकमाईट्रिप के लाइव ट्रेन स्टेटस फीचर का इस्तेमाल करती है। इस तरह, यात्री की यात्रा के सबसे सुविधाजनक स्थान पर भोजन पहुंचाया जा सकेगा। इसके अलावा, त्यौहारों के मौके पर ग्राहकों को दिवाली स्पेशल कूपन भी मिलेगा, जिसका इस्तेमाल जोमैटो पर किए गए खाने के ऑर्डर पर किया जा सकेगा। मेकमाईट्रिप डिजिटल समाधानों के साथ रेल यात्रा के सभी पहलुओं को सरल बनाने की भी योजना बना रहा है। यात्री अब अपने पीएनआर विवरण का उपयोग करके जोमैटो पर 7 दिन पहले तक भोजन बुक कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म बुकिंग से पहले मार्ग सुझाव, आस-पास के स्टेशन की जानकारी और सीट उपलब्धता का पूर्वानुमान प्रदान करता है। बुकिंग के दौरान सीट लॉक, ट्रिप गारंटी और मुफ्त कैंसिलेशन जैसे विकल्प यात्रियों को सुविधा प्रदान करते हैं।

वैश्विक झटकों के बावजूद मजबूत बना रहेगा भारत, व्यापार से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक दिखी रफ्तार

नई दिल्ली,23 सितंबर(एजेंसी)। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक झटकों के बावजूद भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास और प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की है। इससे विकसित देशों की तुलना में भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वैश्विक आर्थिक झटकों के असर से भारत की विकास दर पर अल्पकालिक दबाव दिख रहा है, लेकिन देश की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी बरकरार है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

भारत ने विकसित देशों से बेहतर प्रदर्शन कियारिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास और प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की है। इससे विकसित देशों की तुलना में भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच, भारत की वृद्धि मजबूत है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारत की वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी इसमें कहा गया है कि भारत वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा, जिससे आर्थिक वृद्धि, पूंजी आकर्षण और रोजगार सृजन के अवसर

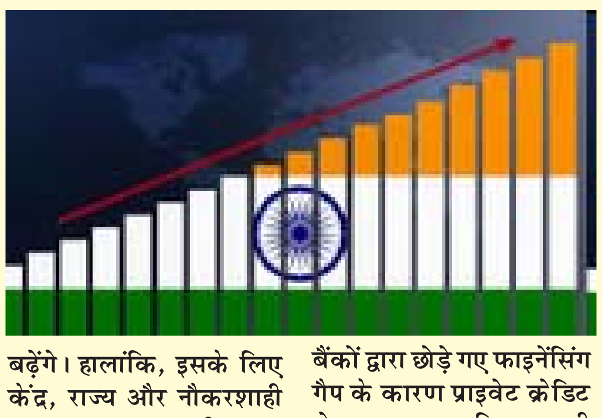

बढ़ेंगे। हालांकि, इसके लिए केंद्र, राज्य और नौकरशाही स्तर पर सुधार जरूरी बताए गए हैं, ताकि एक अधिक संगठित प्रणाली तैयार हो सके।

प्राइवेट क्रेडिट सेक्टर का हो रहा मजबूत विस्तार

निजी क्रेडिट उद्योग को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताया गया है। इसमें कहा गया है कि पारंपरिक बैंकों द्वारा छोड़े गए फाइनेंसिंग गैप के कारण प्राइवेट क्रेडिट सेक्टर मजबूत विस्तार की ओर बढ़ रहा है। घरेलू दिवाला ढांचा इस क्षेत्र को और मजबूती दे रहा है। जोखिम मौजूद होने के बावजूद, व्यापक वित्तीय प्रणाली से सीमित जुड़ाव इस सेक्टर को सुरक्षा प्रदान कर सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत 2028 तक जापान और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डेटासेंटर बिजली की मांग के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा।

ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन में तेजी

ऊर्जा के मोर्चे पर भारत का लक्ष्य अपनी परमाणु मूल्य श्रृंखला को स्थानीय बनाना और अपने विशाल थोरियम भंडार का उपयोग घरेलू क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ाने के लिए करना है। नियमों को और अधिक पारदर्शी बनाने और निवेश आकर्षित करने के लिए इस क्षेत्र में सुधार 2026-27 के आसपास होने की उम्मीद है। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन तेजी से बढ़ रहा है,

नीतिगत स्थिरता से विदेशी निवेश का नया ग्रोथ इंजन बन सकता है भारत, फाइनेंशियल टाइम्स का आंकलन

नई दिल्ली ,23 सितंबर (एजेंसी) । जीएसटी, दिवालिया कानून और डिजिटल इंडिया जैसे सुधारों की विदेशी निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।भारत ने डिजिटल भुगतान और यूपीआई के जरिये विदेशी निवेशकों को दिखाया है कि वह तकनीकी बदलावों को बड़े पैमाने पर लागू करने की क्षमता रखता हैवैश्विक जीडीपी की सुस्त रफ्तार और चीन पर बढ़ती भू-राजनीतिक आशंकाओं के बीच भारत विदेशी निवेशकों के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट और विश्लेषणों में भारत को एशिया का निवेश चुंबक बताया गया है। अखबार का कहना है कि अगर नीतिगत स्थिरता और पारदर्शिता कायम रखी जाए, तो भारत विदेशी निवेश का नया ग्रोथ इंजन बन सकता है।भारत की विकास दर अगले पांच वर्षों तक वैश्विक औसत से अधिक रहेगी। युवा आबादी और मजबूत उपभोक्ता बाजार भारत की सबसे बड़ी पूंजी हैं। फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा, भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड निवेशकों के लिए वह आधार है, जो चीन में घट रहा है। चीन में लागत बढ़ने, अमेरिकी दबाव और भू-राजनीतिक जोखिमों के चलते वैश्विक कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण की ओर बढ़ रही हैं। इसलिए, भारत चाइना1 रणनीति का सबसे बड़ा लाभार्थी बन रहा है। एपल, डेल

और सैमसंग जैसी कंपनियां पहले ही भारत में उत्पादन बढ़ा रही हैं।?यूरोप और जापान की कंपनियां विनिर्माण के लिए भारत पर अपना दांव लगा रही हैं।

जीएसटी, दिवालिया कानून और डिजिटल इंडिया जैसे सुधार निभा रहे अहम भूमिका फाइनेंशियल टाइम्स ने कहा, जीएसटी, दिवालिया कानून और डिजिटल इंडिया जैसे सुधारों की विदेशी निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।?भारत ने डिजिटल भुगतान और यूपीआई के जरिये विदेशी निवेशकों को दिखाया है कि वह तकनीकी बदलावों को बड़े पैमाने पर लागू करने की क्षमता रखता है। सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा विनिर्माण में प्रोत्साहन पैकेजों ने भी वैश्विक निवेशकों का ध्यान खींचा है।

रेडी टू ईट उत्पादन एवं वितरण कार्य के लिए चयनित स्व सहायता समूहों की लेटलतीफी

स्वचलित मशीन स्थापित करने प्रशासन सख्त,1 अक्टूबर तक मशीनें लगाने का फरमान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत पूरक पोषण आहार व्यवस्था अंतर्गत रेडी टू ईट व फोर्टिफाइड आटा का परियोजना स्तर पर स्थापित यूनिट के माध्यम से निर्माण और आपूर्ति के लिए चयनित स्व सहायता समूह स्वचलित मशीनें स्थापित करने में रुचि नहीं दिखा रही हैं। निर्देश के बाद भी कई परियोजनाओं के चयनित समूह सस्ती महंगी के चक्कर में स्वचलित मशीनें खरीदने उदासीनता बरत रहे हैं। जिसकी वजह से चयनित समूहों के प्रशिक्षण से लेकर रेडी टू ईट के उत्पादन का इंतजार बढ़ता जा रहा है। अब ऐसे मनमौजी समूहों की छुट्टी हो सकती है। जिला प्रशासन ने महिला एवं बाल विकास विभाग को 1 अक्टूबर के बाद ऐसे समूहों का संचालन निरस्त कर योजना से पृथक करने का आदेश दिया गया है। इस फरमान से समूहों में खलबली मची है। आदेश की नाफरमानी पर ऐसे समूहों पर कार्रवाई की गाज गिरना तय माना जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग 6 माह से 6 वर्ष के नौनिहालों, किशोरियों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पोषण के लिए कार्य करती है। 1 फरवरी 2022 के पूर्व स्थानीय महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत रेडी टू ईट कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा था। गेहूं ,सोया ,चना ,मूंगफली मिश्रित पौष्टिक पोषण आहार रेडी टू ईट 3 वर्ष तक के बच्चों ,गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के लिए प्रत्येक मंगलवार को दिए जाने का प्रावधान है ताकि उन पर कुपोषण की काली छाया न पड़े। कुपोषित हितग्राही इसके दायरे से बाहर निकल सकें। 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन में फोर्टिफाइड आटा से निर्मित रोटी प्रदाय किया जाता है। फरवरी 2022 के बाद रेडी टू ईट उत्पादन एवं वितरण का कार्य राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम की इकाइयों को दे दिया गया था। जिससे रेडी टू ईट के संचालन का कार्य कर रहीं स्व सहायता समूह की 16 हजार से अधिक महिलाएं बेरोजगार हो गईं। सत्ता परिवर्तन के करीब डेढ़ साल बाद साय सरकार ने आखिरकार महिला स्व सहायता समूहों से चुनाव पूर्व किया अपना वादा निभाया। आकांक्षी जिला कोरबा समेत प्रदेश के 6 जिलों रायगढ़,सूरजपुर ,बलौदा बाजार -भाटापारा ,बस्तर एवं दंतेवाड़ा में पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत रेडी टू ईट उत्पादन एवं वितरण का कार्य राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम की इकाइयों की जगह शासन की घोषणानुरूप महिला स्व सहायता समूहों को संचालन का दायित्व दिया गया है। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत पूरक पोषण आहार व्यवस्था अंतर्गत रेडी टू ईट एवं फोर्टिफाइड आटा का परियोजना स्तर पर स्थापित यूनिट के माध्यम से निर्माण और आपूर्ति हेतु आकांक्षी जिला कोरबा में भी विधिवत आवेदन मंगाने के उपरांत 67 आवेदनकर्ता समूहों में से सभी 10 परियोजनाओं के लिए कुल 10 स्व सहायता समूहों का चयन किया गया है ,जिन्हें जिले के सभी 2602 आंगनबाड़ी केंद्रों में 1लाख 20 हजार 614 हितग्राहियों के लिए स्वचलित मशीनों से रेडी टू ईट तैयार कर वितरण करना है, लेकिन 30 अप्रैल को चयनित समूह 4 माह से भी अधिक समयावधि 21 सितंबर तक भी कई परियोजनाओं में चयनित स्व सहायता समूह अभी भी विभाग द्वारा दिए गए तकनीकी मार्गदर्शन के बावजूद स्वचलित मशीनें खरीदकर यूनिट स्थापित नहीं कर सकी हैं। नियमानुसार यूनिट स्थापित होने के बाद स्वचलित मशीनों के माध्यम से मानव स्पर्श रहित रेडी टू ईट के निर्माण, संचालन के लिए स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रदेश से बाहर की टीमें आकर इसका विधिवत प्रशिक्षण देंगी। इसके उपरांत ही रेडी टू ईट का उत्पादन एवं वितरण का कार्य शुरू हो सकेगा। समूहों द्वारा स्वचलित मशीनें स्थापित करने में की जा रही लेटलतीफी को देखते हुए प्रशासन ने भी कड़ा रुख अपनाया है।

नियमानुसार रेडी टू ईट के उत्पादन वितरण कार्य में रुचि नहीं दिखाने अथवा अनियमितता के मामलों की पुष्टि होने पर समूहों का संचालन निरस्त कर वरीयता क्रम में निकटस्थ समूहों को संचालन का दायित्व दिए जाने का प्रावधान है। लिहाजा जिला प्रशासन ने महिला एवं बाल विकास विभाग को 1 अक्टूबर के बाद ऐसे समूहों को योजना से पृथक करने का आदेश दिया गया है। इस फरमान से समूहों में खलबली मची है। आदेश की नाफरमानी पर ऐसे समूहों पर कार्रवाई को गाज गिरना तय माना जा रहा है।

मिलेगी पूंजीगत सब्सिडी ,बैंक से लिया गया है ऋण

उल्लेखनीय है कि कोरबा जिले में रेडी टू ईट कार्य हेतु 10 महिला समूहों का चयन किया गया है, जिन्हें अनुबंध पत्र प्रदान किए गए हैं। इन समूहों को रेडी टू ईट यूनिट की स्थापना हेतु प्रधानमंत्री फॉर्मेलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइज़ योजना के अंतर्गत उद्योग विभाग द्वारा पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा यूनिट स्थापना के लिए बैंकों ने 40 से 45 लाख का ऋण दिया है।

परियोजनावार चयनित समूह एक नजर में

परियोजना	- चयनित समूह
0 कोरबा शहरी	-मां तुलसी स्व सहायता समूह ढोढ़ीपारा
0 कोरबा ग्रामीण	-सफुरा माता स्व सहायता समूह सलिहाभांठा
0 बरपाली	- जय मां दुर्गा स्व सहायता समूह नोनबिर्रा
0 करतला	-जय माँ दुर्गा स्व सहायता समूह नोनबिर्रा
0 कटघोरा	-जय दुर्गा स्व सहायता समूह मुढ़ाली
0 हरदीबाजार	- जय माँ दुर्गा महिला स्व सहायता समूह बोईदा
0 पाली	-प्रगति स्व सहायता समूह रजकम्मा
0 पोंडी उपरोड़ा	- पार्वती स्व सहायता सिंधिया
0 चोटिया	-आदर्श महिला स्व सहायता समूह खिरटी
0 पसान	-मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह बैरा

स्कूल बस की चपेट में आकर युवक घायल

तेज रफ्तार बना हादसे का कारण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा-सक्ति मार्ग पर उरगा थाना क्षेत्र के तिलकेजा में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। सुबह लगभग 7 बजे स्वामी आत्मानंद विद्यालय तिलकेजा की स्कूल बस बच्चों को लेने जा रही थी, तभी अचानक रेनखोल निवासी उत्तम यादव को ठोकर मार दिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस तेज रफ्तार में थी, जिसकी वजह से युवक को संभलने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। समाजसेवी किशन साव और भीम कंवर ने तत्काल एम्बुलेंस बुलवाकर घायल को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को गंभीर बताया है। फिलहाल उसे विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना के बाद से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोग लगातार इस बात को लेकर चिंता जता रहे हैं कि स्कूली बसें अक्सर तेज रफ्तार से गुजरती हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण और सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

बिजली की आंख मिचौली और बढ़े हुए दर से उपभोक्ता परेशान

नेता प्रतिपक्ष सहित कांग्रेस पार्षद दल ने की शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर के नागरिकों और नगर पालिक निगम क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं व जनहित से जुड़ी समस्याओं पर नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद दल ने गंभीर चिंता जताई है। उनका कहना है कि हल्की हवा या मामूली बारिश होते ही विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। बिजली कटौती से आमजन के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं त्योहारों के समय इस स्थिति से असुविधा और बढ़ जाती है। नेताप्रतिपक्ष ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पूर्व सरकार की 400 यूनिट तक बिजली बिल आधा योजना समाप्त होने और स्मार्ट मीटर से

अधिक बिल आने को भी मध्यम व निम्न वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि अनाप-शनाप बिलों के कारण परिवारों का बजट बिगड़ गया है और महंगाई के दौर में यह अतिरिक्त परेशानी लोगो के लिए बन गया है। श्री साहू ने कहा कि त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के दौरान रात्रिकालीन गरबा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न इलाकों में होता है। ऐसे में कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट खराब होना किसी भी अप्रिय घटना को न्यौता देने जैसा है। इसके अलावा, नियमित जल आपूर्ति न होने से लोग परेशान हैं। हर पंद्रह दिन में तकनीकी समस्याओं के कारण पानी की आपूर्ति बाधित होने पर नगर निगम की तकनीकी प्रणाली और कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।शहर की सड़कों की खराब हालत ने भी लोगों को आक्रोशित किया है। मुख्य मार्गों सहित कई सड़कों पर गड्डों के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। नागरिकों का कहना है कि स्थायी सड़क निर्माण कार्य शुरू होने तक निगम को वैकल्पिक रूप से मरम्मत करानी चाहिए, ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके। पूरे मामले को लेकर नेताप्रतिपक्ष कृपाराम साहू समेत कांग्रेस पार्षद दल ने कोरबा कलेक्टर से मामले की शिकायत की है, साथ ही नेता प्रतिपक्ष कृपा राम साहू ने निगम के कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आम जनता को राहत दिलाने की मांग की है।

ग्रामीण को मौत के घाट उतारने के बाद हाथियों ने तनेरा में डाला डेरा

3-4 घंटे बाद हाथियों का दल हुआ अन्यत्र रवाना

कोरबा। जिले के पसान रेंज अंतर्गत तनेरा ग्राम पंचायत के गोरिलाडांड मोहल्ले में निवासरत धनसिंह गोंड़ नामक ग्रामीण को कल दोपहर मौत के घाट उतारने के बाद हाथियों के दल ने क्षेत्र में डेरा डाल दिया है। बड़ी संख्या में हाथियों के घटना स्थल पर मंडराते रहने के कारण मृतक के शव को बरामद करने में काफी देर हुई और घटना के 3-4 घंटे बाद जब हाथियों का दल अन्यत्र रवाना हुआ तो वन विभाग की टीम ने हाथी के हमले में मृत ग्रामीण के शव को पंचनामा कर कब्जे में लिया और पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां सुबह डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम कर शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के हवाले कर दिया। हाथियों का दल लगातार क्षेत्र में डेरा डाले हुए है। बीती रात इस दल ने जमकर उत्पात मचाते हुए ग्रामीणों के फसल को तहस-नहस कर दिया। हाथियों का उत्पात रात भर चला। इस दौरान दो दर्जन से अधिक ग्रामीण प्रभावित हुए, जिनकी फसल को हाथियों ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। क्षेत्र में ग्रामीण को मौत के घाट उतारने तथा उसके बाद बड़ी मात्रा में धान फसल को तहस-नहस किये जाने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। हालांकि वन विभाग पीड़ितों की सहायता के लिए नुकसानी का आंकलन करने के साथ उसकी भरपाई के लिए मुआवजा देने की तैयारी शुरू कर दी है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसाार विभाग द्वारा ग्रामीणों से लगातार सावधानी बरतने तथा हाथियों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। बावजूद इसके ग्रामीण नहीं मान रहे हैं और विभाग की चेतावनी और सलाह को दरकिनार कर हाथियों को खदेडने़ जंगल पहुंच जा रहे हैं।

शिवाजी नगर डांडिया ग्राउंड में दिख रही छत्तीसगढ़िया संस्कृति की झलक

500 टोकनी से सजा ग्राउंड, शहर में बना आर्कषण का केंद्र

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर के शिवाजी नगर में लगातार 31वें वर्ष गरबा-डांडिया उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए इस बार आयोजन समिति ने टोकनी थीम पर एंट्री गेट व ग्राउंड की विशेष साज-सज्जा की है। 500 टोकनी से की गई सजावट से एक ओर जहां छत्तीसगढ़ी संस्कृति व पराम्परा की झलक नजर आ रही है तो दूसरी ओर शहर में लोगों के बीच आर्कषण का केंद्र भी बन गया है। टोकरियों के बीच रंग-बिरंगी लाइट ने ग्राउंड की सजावट में चार चांद लगा दिया है जो लोगों का मन मोह रहा है। बता दें कि शिवाजी नगर गरबा-डांडिया

समिति द्वारा हर वर्ष नए-नए थीम पर सजावट कराई जाती है जो आर्कषक होता है। समिति ने पिछली बार इनडोर थीम पर सजावट की थी जिसने ऐसा मन मोहा कि हर ग्राउंड पहुंचकर सेल्फी लेने में लगा रहा है। इस बार की टोकनी थीम भी पिछली बार से ज्यादा आर्कषक है। शिवाजी नगर में पूरे नवरात्रि के दौरान माहौल भक्तिमय बना रहता है। हर आयु वर्ग के लोग गरबा-डांडिया में शामिल होने और देखने के लिए पहुंचते हैं। ग्राउंड पर माता का मंदिर भी स्थित है, जहां पूरे नौ दिनों तक माता की अराधना होती है। वहीं ग्राउंड में दशहरा के अवसर पर रावण दहन भी किया जाता है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

पैर फिसलने से हादसे की आशंका

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा थाना क्षेत्र के राधा सागर तालाब में मंगलवार सुबह एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। जानकारी के मुताबिक मृतक सुबह तालाब में नहाने गया था। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण उसकी मौत हुई। सुबह जब लोगों ने तालाब में शव को तैरते देखा तो तुरंत ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने मृतक की पहचान कटघोरा निवासी जुगल अग्रवाल के रूप में की है। शव का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रजगामार सचिव को हटाने जनप्रतिनिधि लामबंद

सचिव को स्थानांतरित करने की मांग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ग्राम पंचायत रजगामार में पदस्थ सचिव मुखी सिंह कंवर को स्थानांतरित करने की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि लामबंद हो गए हैं। उन्होंने कलेक्टर जनदर्शन में में की शिकायत की है।

शिकायत पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत रजगामार का पूर्व कार्यकाल विवाद में रहा है। शिकायतकर्ता हरिसिंह राठिया ने कहा कि मैं पूर्व कार्यकाल में पंच पद पर था। अभी वर्तमान में सरपंच पद पर पदस्थ हूँ। सचिव मुखी सिंह कंवर पंचायत नहीं आते हैं। पंचायत भवन सिर्फ बैठक के ही दिन खुलता है। जिससे आम जनता के कार्य समय पर नहीं हो पाते। लोगो को प्रमाण पत्र, पेंशन तथा राशन कार्ड के समस्या के लिए भटकना पडता है। सचिव मुखी सिंह के स्थानांतरण के लिए पूर्व में भी मौखिक तथा लिखित आवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत में दिया गया है। कलेक्टर से आग्रह किया गया है कि पदस्थ सचिव मुखि सिंह कंवर को स्थानांतरित करते हुए अविलंब नवीन सचिव पदस्थ किया जाए। इसका कई पंचों ने भी समर्थन करते हुए शिकायत पत्र में हस्ताक्षर किए हैं।

कोल कर्मियों के बोनस पर अनिश्चितता के छाए बादल

कोलकाता हाईकोर्ट ने अगले आदेश तक बैठक पर लगाई रोक

कोरबा(छ.ग.गौरव)।कोयला कर्मचारियों के बोनस पर कोलकाता हाईकोर्ट ने अगले आदेश तक रोक लगा दी है। जिससे एसईसीएल के 32 हजार सहित कोल इंडिया के कुल 2 लाख 20 हजार श्रमिकों के बोनस पर अनिश्चितता छा गई है। दिल्ली में मानकीकरण समिति की बैठक बुलाई गई थी जिसमें विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल होने वाले थे। इस फैसले से श्रमिकों को लाभ मिलने की संभावना पर असर पड़ेगा।

कोयला कर्मचारियों के बोनस को लेकर सोमवार को होने वाली मानकीकरण समिति की बैठक को कोलकाता उच्च न्यायालय के डबल बैंच ने अगले आदेश तक स्थगित कर दी है। कोलकाता हाई कोर्ट के सिंगल बेंच के मानकीकरण समिति की बैठने में(इंटक)राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन के आदेश को डबल बेंच ने बरकरार रखा है। साथ ही बोनस को लेकर होने वाली बैठक अगले अंतिम आदेश तक स्थगित कर रहेगी। वैसे कोल इंडिया उच्च प्रबंधन इस पर कोलकाता मुख्यालय में बैठक कर निर्णय लेगी। साथ ही आगे की रणनीति पर विचार विमर्श करेगी। न्यायालय आदेश के बाद कोल इंडिया इस प्रयास में थी कि न्यायालय से राहत मिलेगी। अधिवक्ता से लगातार संपर्क में थी, लेकिन अंतिम में बैठक नहीं हुई। वहीं कुछ यूनियनों ने कोल इंडिया प्रबंधन से कहा है कि कोयला कर्मियों के खाते में एक लाख की राशि भेज दें। गत वर्ष 93750 रुपया मिला था। कोल इंडिया में करीब 2.20 लाख कोयला मजदूरों को बोनस का इंतजार है। दुर्गा पूजा के समय है। वहीं विपक्षी यूनियन ने

कहा कि कोल इंडिया पूरी तरह से केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। जिसके कारण यह नौबत आई। इस मामले में राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन को सिंगल बेंच की ओर से पहले ही बैठने का आदेश दिया गया था। सिंगल बेंच के आदेश के विरोध कोल इंडिया डबल बेंच में याचिका दायर की थी। डबल बेंच ने इस आदेश को बरकरार रखते हुए कोयला कर्मियों के बोनस मुद्दे को लेकर होने वाली सोमवार को दिल्ली की बैठक को स्थगित करने का आदेश दिया है। अब कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया का रुख देखने होगा कि वह बोनस के मुद्दे को लेकर अब क्या निर्णय लेती है? क्या कोल इंडिया अंतरिम भुगतान कर मजदूरों को पूजा में राहत देने का कोशिश करती है या फिर न्यायालय के आदेश तक चुप बैठती है।बता दें कि कोल इंडिया में काम करने वाले 2 लाख 20 हजार कोयला श्रमिकों का बोनस को लेकर सोमवार को दिल्ली में मानकीकरण समिति की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें एचएमएस, बीएमएस, एटक, सीटू के प्रतिनिधि को बुलाया गया। बैठक में इंटर का मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

एक-एक लाख रुपए अग्रिम बोनस भुगतान की मांग

एक- एक लाख रुपए अग्रिम बोनस भुगतान की मांग को लेकर सीटू और एटक ने आंदोलन छेड़ दिया है। विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। एसईसीएल सहित अन्य परियोजनाओं में सीटू और एटक के लोग कामगारों के बीच पहुंच कर उन्हें सीआईएल प्रबंधन की विफलता की जानकारी दे रहे हैं।एटक के नेता रमेन्द्र कुमार तथा सीटू नेता डीडी रामनंदन ने सोमवार रात को आंदोलन पर जाने का ऐलान किया था। इसके बाद मंगलवार सुबह से प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है। दोनों नेताओं का कहना था कि केन्द्र सरकार के दबाव में आकर सीआईएल प्रबंधन ने अपील दायर की। यह दबाव इंटक को मानकीकरण समिति की बैठक में आने से रोकने के लिए बनाया गया। यूनियन को लेकर सीआईएल को पार्टी नहीं बनना था। हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए इंटक को बैठक में सम्मिलित किया जाना चाहिए था। दोनों नेताओं ने कहा जो स्थिति निर्मित हुई इससे फिलहाल बैठक पर विराम लगते दिख रहा है। ऐसी स्थिति में सीटू और एटक सीआईएल प्रबंधन से मांग की है कि वह कामगारों को दुर्गा पूजा से पूर्व एक- एक लाख रुपए का अग्रिम भुगतान करे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623